मंडला, भोपाल, कटनी, जबलपुर, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

● वर्ष-11 अंक-141 ● नरसिंहपुर ● रविवार, 8 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 14 ● विक्रम संवत् 2083



श्रीराम का हुआ राज्याभिषेक

30 लाख दीपों से जगमगाए सरयू के घाट

अयोध्या, यशभारत। रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव का उल्लास चरम पर पहुंच गया। श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ ही राम की पैड़ी समेत सरयू नदी के सभी प्रमुख घाट 30 लाख दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। दीपों की अलौकिक छटा और जय श्रीराम के जयघोष से पूरी अयोध्या राममय हो गई। इस ऐतिहासिक उत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामनगरी पहुंचे। श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्ति के साथ दीप प्रज्ज्वलित किए। घाटों पर जलते असंख्य दीपों ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, जिसने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया।



दीपोत्सव के मुख्य आयोजन के दौरान श्रीराम का विधि-विधान से राज्याभिषेक किया गया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन का सिलसिला शुरू हुआ और देखते ही देखते राम की पैड़ी सहित सरयू के घाट दीपों की रोशनी से नहा उठे। घाटों पर दीपों की कतारें और सरयू के जल में उनका प्रतिबिंब आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। दीपोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई मंत्री और गणमान्य लोग शामिल हुए। आयोजन के दौरान लेजर शो और रंग-बिरंगी रोशनी ने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया।

इससे पहले साकेत महाविद्यालय से रामकथा पार्क तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में रामायण के प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। लोकनृत्यों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को और भव्य बना दिया। कलाकारों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया। शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु जय श्रीराम के जयघोष करते हुए आगे बढ़े। झांकियों में प्राचीन भारतीय संस्कृति, परंपराओं के साथ आधुनिक अयोध्या के विकास की झलक भी दिखाई दी। दीपोत्सव के दौरान राम की पैड़ी पर आयोजित लेजर शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। रंग-बिरंगी रोशनी और तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किए गए दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। लेजर शो के दौरान घाटों पर मौजूद लोगों ने इस भव्य आयोजन का आनंद लिया। दीपों की रोशनी, लेजर शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने अयोध्या के दीपोत्सव को यादगार बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान रामनगरी में उत्सव, आस्था और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। रामकथा पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीराम और माता जानकी की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी। इसके बाद राम, सीता और लक्ष्मण के स्वरूपों के साथ निकले रथ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रतीकात्मक रूप से खींचा। पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम भारत के संस्कार, राष्ट्र के प्राण और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। आज की अयोध्या त्रेतायुग की याद दिला रही है। उन्होंने कहा कि 14 वर्ष का वनवास पूरा कर जब भगवान श्रीराम माता जानकी और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे होंगे, तब पूरी नगरी इसी तरह दीपों और उत्सव से जगमगाई होगी।

मंदाकिनी में दीपदान कर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने की पूजा-अर्चना, गुप्त गोदावरी फोरलेन का भूमिपूजन



सतना, यशभारत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट पहुंचे। पांच दिवसीय दीपोत्सव मेले में शामिल होकर उन्होंने मंदाकिनी नदी के पंचवटी घाट पर दीपदान किया और मां मंदाकिनी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चित्रकूट के संतों का शाल, श्रीफल और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मान किया तथा उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट धाम से गुप्त गोदावरी तक बनने वाली फोरलेन सड़क का भूमिपूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों का विकास केवल पर्यटन की दृष्टि से नहीं, बल्कि तीर्थाटन की भावना और श्रद्धालुओं की आस्था को केंद्र में रखकर कर रही है। उज्जैन में महाकाल लोक की तर्ज पर ओरछा में रामराजा लोक और चित्रकूट में भव्य वनवासी राम लोक का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि चित्रकूट भगवान श्रीराम की तपोभूमि है। प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास का 11 साल से अधिक समय यहां बिताया था। ऐसे पवित्र स्थल का विकास करना सरकार की प्राथमिकता है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के अनुरूप विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भगवान कामतानाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। प्राचीन मुखारबिंद के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को दीपावली की मिठाई वितरित कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उनका सहज और आत्मीय अंदाज भी देखने को मिला। मुख्यमंत्री सड़क किनारे लगी चाय की दुकान पर पहुंचे और कुल्हड़ में चाय पी। उन्होंने स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। दीपदान के लिए दीपक बेच रहे बच्चों से भी मुलाकात की और उनसे दीपक खरीदकर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार, चित्रकूट विकास प्राधिकरण अध्यक्ष विजय यादव, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, 2013 के रेप केस में 10 साल सजा पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने शुक्रवार को 2013 के रेप केस में मिली 10 साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा कि यह सजा पर रोक लगाने के लिए सही मामला नहीं है। तेजपाल की ओर से कपिल सिब्बल ने दलील दी कि पूरा मामला झूठा है, जबकि गोवा सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सजा बढ़ाकर उम्रकैद करने की मांग की। 6 अगस्त 2026 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत का 2021 का बरी करने का फैसला पलटते हुए तेजपाल को रेप का दोषी ठहराया था और 10 साल की कठोर कैद सुनाई थी।आरोप था कि उन्होंने 2013 में गोवा में मैगजीन के एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में अपनी जूनियर सहकर्मी के साथ रेप किया था।

राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी नहीं चाहते थे कि वह प्रधानमंत्री बने

किताब में सोनिया गांधी का खुलासा, बोलीं- मनमोहन सिंह के साथ टीम बनाकर काम करने का अनुभव सकारात्मक रहा



नई दिल्ली, यशभारत। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के अपने चर्चित फैसले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उस समय उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी नहीं चाहते थे कि वह प्रधानमंत्री बनें। अपनी आगामी पुस्तक %बिलॉन्गिंग ⁼ए जर्नी ऑफ लव% में सोनिया गांधी ने इस फैसले के पीछे की परिस्थितियों, परिवार की भूमिका और तत्कालीन राजनीतिक घटनाक्रम पर विस्तार से बात की है। 10 नवंबर को प्रकाशित होने वाली इस पुस्तक को लेकर सोनिया गांधी ने द हिंदू को दिए एक साक्षात्कार में अपने जीवन के कई अनछुए पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने का सवाल उनके मन में कभी नहीं आया। 2004 में डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में बनी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के साथ उनका अनुभव सकारात्मक रहा। दोनों ने एक टीम के रूप में काम किया। मनमोहन सिंह सरकार का नेतृत्व कर रहे थे, जबकि वह कांग्रेस संगठन की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। दोनों की भूमिकाएं स्पष्ट रूप से अलग थीं। सोनिया ने कहा कि उन्होंने कभी यह कल्पना भी नहीं की कि यदि वह प्रधानमंत्री बनतीं तो सरकार की नीतियां और कांग्रेस की रणनीति किस तरह अलग होती। उनके मुताबिक, मनमोहन सिंह के साथ काम करने की व्यवस्था सफल रही और दोनों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। सोनिया गांधी ने अपनी किताब को व्यक्तिगत संस्मरण बताते हुए कहा कि इसमें राजीव गांधी के साथ उनकी प्रेम कहानी के साथ भारत और गांधी परिवार से जुड़ने का सफर भी शामिल है। उन्होंने बताया कि राजीव से उनकी पहली मुलाकात के बाद धीरे-धीरे उन्हें उनके परिवार और भारत से लगाव हो गया। यही जुड़ाव आगे चलकर उन्हें सार्वजनिक जीवन और राजनीति में लेकर आया।

जवानों के साथ दिवाली मनाएंगे पीएम मोदी

देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, यशभारत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार भी वे देश के वीर जवानों के बीच दिवाली मनाएंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इस बार जवानों के साथ त्योहार मनाने के लिए किस स्थान पर जाने की योजना बनाई है, इसका खुलासा नहीं किया। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश जारी कर देशवासियों को बधाई दी।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पावन पर्व पूरे देश को रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह त्योहार अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि सभी देशवासियों का त्योहार और आने वाला समय सुख, शांति एवं समृद्धि से भरा रहे। मोदी ने कहा कि वे भी हर साल बड़े उत्साह के साथ दीपावली मनाते हैं और देश के वीर जवानों के बीच पहुंचकर त्योहार मनाना उनका नियमित क्रम बन गया है।



इजराइल में आज तय होगा नया प्रधानमंत्री आइजनकोट को 67 सांसदों का समर्थन



तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में नए प्रधानमंत्री के नाम का ऐलान रविवार को राष्ट्रपति इसाक हर्जोग करेंगे। सरकार बनाने के लिए संसद में 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजनकोट के गठबंधन को छह राजनीतिक दलों के 67 सांसदों का समर्थन मिला है। वहीं मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पक्ष में केवल 46 सांसद बताए जा रहे हैं। ऐसे में आइजनकोट की सरकार बनाने की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। हालांकि, समर्थन देने वाले दलों के बीच आपसी मतभेद उनकी राह में बड़ी बाधा बन सकते हैं।राष्ट्रपति हर्जोग ने गुरुवार को संसद में चुनी गई सभी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात कर सरकार गठन की संभावनाओं पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि सांसदों की राय पहली नजर में स्पष्ट दिखाई देती है, लेकिन अलग-अलग राजनीतिक दलों के बीच कई मुद्दों पर सहमति नहीं है। पार्टियों को एक-दूसरे से भी आपत्तियां हैं। ऐसे में केवल सांसदों की सिफारिशों के आधार पर यह तय करना मुश्किल है कि कौन सरकार बनाने में सक्षम होगा।

चीन सीमा के पास 13,629 फीट पर उतरा वायुसेना का गजराज

न्योमा एयरबेस पर भारी मालवाहक विमान की सफल लैंडिंग, दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड



नई दिल्ली। यशभारत। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर अपने विशाल मालवाहक विमान IL-76MD (गजराज) की सफल लैंडिंग कराकर सामरिक क्षमता का नया प्रदर्शन किया। समुद्र तल से 13,629 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस एयरबेस पर भारी मालवाहक विमान का उतरना बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। न्योमा एयरबेस पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के बेहद करीब स्थित है और चीन सीमा से इसकी दूरी महज 23 किलोमीटर है। इस लैंडिंग के साथ भारतीय वायुसेना ने ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों में भारी सैन्य परिवहन की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। वायुसेना के मुताबिक, न्योमा दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। यहां से अब चीन सीमा के नजदीक तैनात सैनिकों तक भारी सैन्य उपकरण, वाहन, हथियार और जरूरी रसद पहुंचाने में मदद मिलेगी। रूस निर्मित चार इंजन वाला IL-76MD विमान करीब 40 से 50 टन तक का माल ले जाने में सक्षम है। इसे वायुसेना में गजराज के नाम से जाना जाता है। इसकी क्षमता के कारण जरूरत पड़ने पर बड़ी संख्या में सैनिकों के साथ टैंक, सैन्य वाहन, हथियार और अन्य जरूरी साजो-सामान भी पहुंचाया जा सकता है।न्योमा एयरबेस को नवंबर 2025 में अपग्रेड कर आधुनिक एयरफील्ड के रूप में विकसित किया गया था। तत्कालीन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने C-130J विमान से यहां उतरकर एयरबेस का उद्घाटन किया था।

सीबीएसई ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 16 फरवरी से परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं की वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी कर दी है। इसके अनुसार, दसवीं की परीक्षाएं 16 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च 2027 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी जारी कार्यक्रम के आधार पर अपनी तैयारी की योजना बना सकते हैं। बोर्ड की ओर से परीक्षा की तारीखें घोषित होने के बाद विद्यार्थियों को विषयवार तैयारी और दोहराव के लिए समय निर्धारित करने में मदद मिलेगी। छात्र परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार पढ़ाई की रणनीति बना सकते हैं और जिन विषयों में अधिक तैयारी की जरूरत है, उन पर विशेष ध्यान दे सकते हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में विषयवार परीक्षा तिथियों और समय का विवरण नहीं दिया गया है।

दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं

भगवान श्री राम के अयोध्या वापसी एवं महालक्ष्मी के पूजन के महापर्व दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की समस्त पाठकों, विज्ञापन दाताओं एवं शुभ चिंतकों को यशभारत परिवार की ओर से अनंत शुभकामनाएं। यह पर्व आपके लिए उजाला और उन्नति का प्रकाश लेकर आये।

-संपादक

अवकाश की सूचना

दीपावली के अवसर पर यशभारत कार्या लय में 9 एवं 10 नवम्बर को अवकाश रहेगा। अगला अंक 11 नवंबर प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

दुबई में मेडिकल खर्च और लंबी वेटिंग के बीच देवदूत बने भारतीय

दुबई/दिल्ली, यशभारत। दुबई घूमने गए मध्य प्रदेश के ज्ञानेंद्र तिवारी को अचानक आई गंभीर चिकित्सीय आपातस्थिति के बाद भारतीय दूतावास और दुबई में सक्रिय प्रवासी भारतीय समुदाय के सहयोग से सुरक्षित भारत (दिल्ली) वापस लाया गया है।

ज्ञानेंद्र 13 अक्टूबर को टूरिस्ट वीजा पर दुबई गए थे। 15 अक्टूबर को डेजर्ट सफारी से लौटने के बाद अचानक सीने में दर्द की शिकायत पर उन्हें अल ज़हरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहाँ जांच में 90% ब्लॉकेज पाए जाने पर उनकी तत्काल एंजियोप्लास्टी की गई। कार्डियक अरेस्ट के कारण मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी से उनकी स्थिति अत्यधिक नाजुक हो गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

भारतीय युवक गंभीर अस्वस्थता के चलते फंसा

दूतावास और प्रवासी भारतीयों की मदद से दिल्ली लाया गया

मददगारों की पहल से आसान हुई स्वदेश वापसी

परिजन मरीज को जल्द से जल्द भारत लाकर इलाज कराना चाहते थे, लेकिन एयरलाइंस से उन्हें 14 नवंबर की स्ट्रेचर टिकट मिल रही थी। अस्पताल का भारी दैनिक खर्च देखते हुए 14 तारीख तक दुबई में रुककर इलाज जारी रखना परिजनों की आर्थिक क्षमता से बाहर हो चुका था। इस संकट की घड़ी में सबसे पहले इंदौर ग्रुप IIBM के मेंबर्स अंजू भाटिया ने पहल करते हुए इस मामले में मदद की शुरुआत की। इसके साथ ही कांसुलेट जनरल ऑफ़ इंडिया (दुबई) का मदद सेक्शन, दुबई निवासी चंद्रशेखर भाटिया, सामाजिक सेवा में सक्रिय उमा शंकरी कृष्णमूर्ति और 'ह्यूमन केयर वर्ल्डवाइड' की टीम भी आगे आई। इन सभी के विशेष प्रयासों और साझा समन्वय से 04 नवंबर की एमीरेट्स एयरलाइंस की टिकट व स्ट्रेचर की व्यवस्था हुई, जिससे ज्ञानेंद्र को 04 नवंबर की रात दुबई से रवाना कर 05 नवंबर की तड़के सुरक्षित दिल्ली लाया गया। अनूपपुर निवासी देवेंद्र कुमार तिवारी के परिजनों ने इस सहयोग के लिए भारतीय दूतावास और पूरे प्रवासी समुदाय का आभार व्यक्त किया है।

टूरिस्ट इंश्योरेंस की उपयोगिता व भारतीय दूतावास की एडवाइजरी

विदेश जाने वाले प्रत्येक यात्री के लिए 'टूरिस्ट इंश्योरेंस' एक ढाल की तरह काम करता है। अल ज़हरा अस्पताल में प्रतिदिन का खर्च लगभग 12,000 दिरहम (करीब 2.7 लाख रुपये) था। ज्ञानेंद्र तिवारी के पास 1 लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) का मेडिकल बीमा कवरेज एक्टिव था, जिससे अस्पताल में शुरुआती और आवश्यक इलाज का भारी-भरकम भुगतान संभव हो सका। हाल ही में भारतीय दूतावास (अबू धाबी) और कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया (दुबई) ने भी श्व जाने वाले और वहाँ रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में सलाह दी गई है कि यात्रा शुरू करने से पहले पर्याप्त और उचित मेडिकल इंश्योरेंस जरूर कराएं, जिसमें कैशलेस सुविधाओं के साथ-साथ किसी भी अनहोनी या चिकित्सीय आपात स्थिति में भारत वापस लाने का खर्च भी कवर शामिल हो। यह घटना सबक देती है कि विदेश यात्रा के दौरान पर्याप्त मेडिकल बीमा जरूर कराएं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की चार रन से जीत में बने कई नए कीर्तिमान



वेलिंगटन, एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे वनडे मुकाबले में डकवर्थ लुइस नियम के तहत 4 रन से हराकर सीरीज में अहम जीत दर्ज की। वेलिंगटन में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने व्यक्तिगत उपलब्धियों से इतिहास रच दिया। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वहीं रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़कर न्यूजीलैंड के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया।

मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर चार विकेट हासिल किए। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 41 ओवर में महज 134 रन पर सिमट गई। यह घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड का अब तक का सबसे कम वनडे स्कोर है। इससे पहले 1994 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड की टीम 142 रन पर ऑलआउट हुई थी। विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 1,978 रन दर्ज हो चुके हैं, जबकि रिकी पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1,971 रन बनाए थे। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 1,750 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। कोहली ने इस उपलब्धि के साथ एक और बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि अपने नाम कर ली। रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में छक्कों का नया रिकॉर्ड बनाया। मुकाबले में दो छक्के लगाने के साथ उनके कुल छक्कों की संख्या 51 हो गई। इससे पहले पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 छक्के लगाए थे। रोहित अब इस सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को झकझोरते हुए चार विकेट चटकाए। उन्होंने सात ओवर में 30 रन देकर चार विकेट लिए। न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भारतीय तेज गेंदबाज का यह दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस मामले में जवागल श्रीनाथ पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने 2003 में ऑकलैंड में 23 रन देकर चार विकेट हासिल किए थे। बारिश के कारण मुकाबला निर्धारित समय से एक घंटे की देरी से शुरू हुआ और दोनों पारियों को 47-47 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड की पारी 41 ओवर में 134 रन पर समाप्त हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने खेल रोक दिया। डकवर्थ लुइस नियम से भारत को चार रन से विजेता घोषित किया गया।

विंध्य के आंगन में अफ्रीकी दिव्य छटा मुकुंदपुर सफारी का दायरा होगा दोगुना

रीवा । अब मुकुंदपुर स्थित महाराजा मार्तण्ड सिंह जू देव व्हाइट टाइगर सफारी का विस्तार किया जाएगा। इस कार्य को गति देने के लिए करीब 119 हेक्टेयर अतिरिक्त जमीन जोड़ी जाएगी। यहां व्हाइट टाइगर सफारी के साथ विंध्य वन और साउथ अफ्रीकन सफारी भी विकसित की जाएगी। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी पहुंचकर विस्तार योजना की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में सफारी करीब 120 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली है। इसमें 119 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र जोड़ने की योजना है।

30 हेक्टेयर में साउथ अफ्रीकन सफारी

विस्तार योजना के तहत 25 हेक्टेयर में व्हाइट टाइगर सफारी और 36 हेक्टेयर में विंध्य वन सफारी विकसित की जाएगी। वहीं, 30 हेक्टेयर में साउथ अफ्रीकन सफारी बनाई जाएगी। शेष क्षेत्र में जिराफ, जेब्रा और दूसरे शाकाहारी





वन्यजीवों को रखने की योजना है।

योजना के मुताबिक, पर्यटक सफारी वाहन से गुजरते समय जिराफ, जेब्रा और दूसरे वन्यजीवों को खुले जंगल जैसे वातावरण में विचरण करते देख सकेंगे। जानवरों को सड़क पार करते और प्राकृतिक माहौल में घूमते देखने का मौका मिलेगा। इससे पर्यटकों को नेशनल पार्क जैसा अनुभव मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुकुंदपुर की व्हाइट टाइगर सफारी देश और प्रदेश में अपनी अलग पहचान बना चुकी है। प्राकृतिक जंगल के बीच वन्यजीवों को विचरण करते देखना पर्यटकों के लिए खास अनुभव है। सरकार की कोशिश है कि विस्तार योजना को जल्द मंजूरी मिले और निर्माण कार्य शुरू हो।

भ्रमण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने बंगाल टाइगर, सफेद बाघ, तेंदुआ, बटरफ्लाई पार्क और रेप्टाइल हाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सफारी के रखरखाव और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने किसानों से किया संवाद समस्याओं का किया निराकरण



खाद की पर्याप्त उपलब्धता, कृषकों की नरवाई प्रबंधन और आधुनिक खेती पर लोगों को दी जानकारी

मंडला, यशभारत। किसानों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से अनुविभाग नैनपुर के अंतर्गत कृषि उपज मंडी परिसर, निवारी में कृषक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने सहभागिता करते हुए उपस्थित किसान भाइयों को धनतेरस की आत्मीय शुभकामनाएं दीं और कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस अवसर पर एसडीएम नैनपुर श्री आशुतोष महादेव ठाकुर, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नरवाई प्रबंधन पर जागरूकता और खाद की पर्याप्त उपलब्धता

संवाद के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने स्पष्ट किया कि नरवाई (फसल अवशेष) प्रबंधन के तहत की जा रही प्रशासनिक कार्रवाई दंडात्मक न होकर पूर्णतः जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से है। उन्होंने किसानों से नरवाई न जलाने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने खाद आपूर्ति पर स्थिति साफ करते हुए कहा कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है और सभी किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

हर गांव में बनेंगे 'किसान मित्र', पारंपरिक खेती के साथ अपनाएं उन्नत फसलें

किसानों तक शासकीय योजनाओं और फसल बीमा की हर छोटी-बड़ी जानकारी आसानी से पहुंचाने के लिए कलेक्टर ने सभी गांवों में 'किसान मित्र' नियुक्त करने की बात कही। उन्होंने किसानों को धान और गेहूं जैसी पारंपरिक फसलों के साथ-साथ काली तुलसी, चिया सीड, अश्वगंधा, मशरूम और मुनगा (सहजन) जैसी औषधीय व नकदी फसलें उगाने की सलाह दी, जिससे वे अपनी अतिरिक्त आय बढ़ा सकें।

व्हाट्सएप 2.0 से मिलेगी कृषि सेवा, घर बैठे मिलेगी खाद

कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि अश्वनी झारिया द्वारा कृषि विकास प्रणाली 2.0 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आगामी समय में किसान व्हाट्सएप के माध्यम से विभिन्न शासकीय कृषि सेवाओं और सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही शासन किसानों के घर तक सीधे खाद पहुंचाने की योजना पर भी तेजी से कार्य कर रहा है।

आधुनिक कृषि यंत्रों का व्यावहारिक प्रदर्शन

किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए थ्रेसर, हार्वेस्टर, सुपर सीडर, बेलर और कस्टम हायरिंग सेंटर जैसी उन्नत मशीनों के उपयोग पर आधारित वीडियो क्लिप दिखाई गई। इस व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन लेने के तरीके समझाए गए। इस कृषक संवाद कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों ने हिस्सा लिया। किसानों ने अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं को अधिकारियों के समक्ष रखा, जिनका मौके पर ही संतोषजनक समाधान किया गया।

चिया की खेतीः मुनाफे और कृषि तकनीक की दी जानकारी

मंडला, यशभारत। मप्र जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जनपद पंचायत बीजाडांडी के सभाकक्ष में विकासखंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव, सदस्यगण, परामर्शदाता, नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि और सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण के साथ किया गया, जिसके बाद उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। बैठक के दौरान आत्मा परियोजना से उपस्थित मोहित गोल्हानी ने किसानों और समितियों को चिया बीज की खेती के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने इसकी उपयोगिता, मुनाफे और कृषि तकनीक पर प्रकाश डालते हुए स्थानीय स्तर पर इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। बैठक की रूपरेखा विकासखंड समन्वयक श्रीमती मंजुलता पांडेय द्वारा रखी गई। बैठक में परिषद के आगामी और चल रहे कार्यों को लेकर कई प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा एवं समीक्षा की गई, जिनमें मुख्य रूप से सड़कों के छोर पर प्रस्फुटन समितियों द्वारा अनिवार्य रूप से बोर्ड और फ्लेक्स लगाना। कार्यालयीन दस्तावेजों का उचित संधारण, रजिस्टर और फाइलों को व्यवस्थित रखना। प्रस्फुटन समितियों की नियमित मासिक बैठकों का आयोजन। जन अभियान परिषद द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों में विशेष सहयोग प्रदान करना। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रभावी कार्य करना। नर्मदा तट के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में समितियों के कार्य और उनके नए गठन की प्रक्रिया। ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित शासकीय व सामाजिक कार्यों में सक्रिय सहयोग देना। बैठक के दौरान यह घोषणा की गई कि जो समितियां और क्षेत्र बेहतर और सराहनीय कार्य करेंगी, उन्हें जिला स्तर पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही गांवों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने वाले कार्यकर्ताओं और समितियों को भी जिला प्रशासन व परिषद द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित करने की बात कही गई। इस अवसर पर नवांकुर संस्था की सचिव श्रीमती नीतू मिश्रा, जगत सिंह परते, हरिलाल परते, परामर्शदाता आदित्य मिश्रा, बद्री प्रसाद मरकाम, देव प्रकाश पांडे, श्रद्धा तिवारी सहित बड़ी संख्या में सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सीबीजी प्लांटः नरवाई प्रबंधन कार्यशाला सह प्रशिक्षण



मंडला, यशभारत। कृषि अभियांत्रिकी एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रायपुर रोड स्थित ग्राम कोरगांव के सीबीजी प्लांट में नरवाई प्रबंधन कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्लांट संचालक दिनेश पोपतानी एवं एग्रीगेटर श्री रितेश राय के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित हुए। कार्यशाला में फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया तथा किसानों को प्लांट का भ्रमण कराकर संपूर्ण कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। नरवाई प्रबंधन हेतु बेलर एवं हे-रैक मशीन की कार्यशैली बताई गई तथा बेलर मशीन का जीवंत प्रदर्शन भी किया गया। बेलर से नरवाई के कॉम्पैक्ट बंडल बनाए जाते हैं, वहीं हे-रैक बिखरी नरवाई को एकत्रित करती है। बताया गया कि कोरगांव सीबीजी प्लांट द्वारा धान, गेहूं एवं मक्का की नरवाई के बंडल 1.50 से 2 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदे जा रहे हैं। साथ ही नेपियर घास, गोबर तथा मक्का साइलेज भी उचित दाम पर लिया जा रहा है। किसानों को हार्वेस्टर में एसएमएस लगाकर कटाई करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

प्रस्फुटन शक्ति संचय प्रशिक्षण

मंडला, यशभारत। मप्र जन अभियान परिषद मंडला के निर्देशानुसार विकासखंड नारायणगंज में प्रस्फुटन शक्ति संचय अंतर्गत एक दिवसीय ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति शक्ति संचय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें विकासखंड में गठित समस्त समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ पंजीयन उपरांत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा एवं जिला समन्वयक सुशील कुमार बर्मन का पुष्पगुच्छ व तिलक लगाकर स्वागत किया गया। प्रशिक्षण में जन अभियान परिषद के परिचय, उद्देश्यों एवं जमीनी स्तर पर किए जा रहे विकास कार्यों पर चर्चा हुई। जिला समन्वयक ने दस्तावेजीकरण, रजिस्टर संधारण एवं समितियों को सशक्त स्वयंसेवी संगठन के रूप में विकसित करने की रणनीति पर मार्गदर्शन दिया।

पर्यावरण संरक्षण : बीज बैंक तैयार करने, जैविक खेती की बताई तकनीक

मंडला, यशभारत। पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत झंकार भवन में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन, भोपाल तथा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के संयुक्त संयोजन में जिला स्तरीय पर्यावरण शिक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 50 विद्यालयों के प्राचार्य एवं इको क्लब प्रभारी शिक्षक शामिल हुए। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने इको क्लब प्रभारियों को सम्मानित करते हुए कहा कि पर्यावरण शिक्षा विद्यार्थियों को संरक्षण गतिविधियों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने इस आयोजन को प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय बताया। सहायक आयुक्त श्री अरुण शुक्ला ने सभी इको क्लब प्रभारियों को दिसंबर माह तक निर्धारित गतिविधियां विद्यालयों में पूर्ण करने के निर्देश दिए। एपीसी श्री मुकेश पांडे ने विद्यालयों में गतिविधियों के आयोजन, रिपोर्टिंग, अभिलेख संधारण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र संबंधी जानकारी दी। जिला प्रभारी पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम अखिलेश उपाध्याय ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से इको क्लब की गतिविधियों, आगामी कार्ययोजना, मिशन लाइफ, ईईपी एवं एनजीसी की जानकारी दी। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरपी अहिरवार ने बीज बम निर्माण, बीज बैंक तैयार करने एवं जैविक खाद बनाने की तकनीक बताई। राष्ट्रीय उद्यान कान्हा के प्रभारी उपसंचालक आशीष पांडे ने राष्ट्रीय उद्यान के महत्व, बाघों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा मानव, वन्यजीव एवं प्रकृति के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डाला। उपसंचालक पशुपालन डॉ. यूके तिवारी ने पॉलिथीन से पशुओं एवं पर्यावरण को होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए पॉलिथीन मुक्त समाज बनाने की अपील की। सीडीवीडी समन्वयक श्री निसार कुरैशी ने पर्यावरण अनुकूल कागज के थैले बनाने का प्रशिक्षण दिया। पर्यावरणविद एवं जिला सलाहकार योजना समिति के सदस्य राजेश क्षत्री ने विद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा के वार्षिक गतिविधि कैलेंडर एवं हरित विद्यालय की अवधारणा की जानकारी दी। कृषि विकास अधिकारी पंकज मरकाम ने पौधों के महत्व एवं पौध तैयार करने की विधि बताई। कार्यशाला में सभी सहभागी शिक्षकों एवं विषय विशेषज्ञों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला इको क्लब प्रभारी श्री अखिलेश उपाध्याय ने किया तथा आभार सहायक आयुक्त अरुण शुक्ला ने व्यक्त किया। आयोजन में विपिन लखेरा, संजय सिंगोर एवंअंकुश चौरसिया का सहयोग रहा।



महा-पड़तालः ग्राउंड जीरो

सरकारी जमीन पर भू-माफिया का 'भूमिपूजन' जांच रिपोर्टों में फर्जीवाड़ा बेनकाब





निवास (मंडला)।तहसील निवास और आसपास के ग्रामीण अंचलों में भू-माफियाओं और अवैध कॉलोनाइजरों ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को पंगु बना दिया है। अब तक केवल कृषि भूमि को बिना डायवर्सन और बिना नगर तथा ग्राम निवेश (ज्जहृष्टक्क) की अनुमति के काटकर बेचे जाने का खेल चल रहा था, लेकिन अब यह फर्जीवाड़ा सीधे शासकीय और आदिवासी वर्ग के लिए संरक्षित जमीनों की खुली लूट तक पहुंच चुका है।

राजस्व अमले पर दबाव बनाकर और साठगांठ कर अभिलेखों में हेराफेरी की जा रही है। मौके की वास्तविक सीमाओं (चतुर्सीमा) का उल्लंघन कर सरकारी रास्तों, नालों और बंजर-चरनोई की जमीनों को निजी प्लॉट बताकर धड़ल्ले से रजिस्ट्रियां कराई जा रही हैं।

फर्जीवाड़े की तीन बड़ी परतें

चतुर्सीमा में हेरफेर

राजस्व कर्मचारियों पर दबाव बनाकर रजिस्ट्री दस्तावेजों में फर्जी चौहद्दी दर्ज कराई गई। मौके पर जिस जमीन को निजी भूमि दर्शाया गया, हकीकत में वह शासकीय खसरा, आम रास्ता या सुरक्षित नाला है।

कानूनी कवच में सेंध

आदिवासियों की जमीन गैर-आदिवासियों द्वारा हड़पे जाने से रोकने वाले कड़े कानूनों को दरकिनार करने के लिए पहले आदिवासी क्रेताओं-विक्रेताओं के नाम पर कागजी खानापूर्ति की गई, फिर उसी आड़ में चतुर्सीमा से बाहर जाकर सामान्य वर्ग के खरीदारों को मनमाने दामों पर जमीन बेच दी गई।

बिना टीएनसीपी लेआउट, बिना डायवर्सन और विवादित चौहद्दी वाले शासकीय खसरों के दस्तावेजों का उप पंजीयक कार्यालय द्वारा बेधड़क पंजीयन किया गया।स्थितिः कृषि भूमि पर बिना किसी वैधानिक अनुमति के 25 प्लॉट काट दिए गए; मौके पर कोई मूलभूत विकास कार्य नहीं।

फाइलों में रोक, मौके पर बाउंड्रीवॉल जारी

एसडीएम न्यायालय निवास द्वारा इन सभी मामलों में पटवारी व आरआई के जांच प्रतिवेदनों के आधार पर प्रकरण दर्ज तो किए गए, लेकिन कार्रवाई केवल 'क्रय-विक्रय व नामांतरण पर स्थगन' के औपचारिक आदेश तक सीमित रह गई। जमीनी हकीकत यह है कि मौके पर काम एक दिन भी नहीं रुका। मुरम-गिट्टी डालकर रास्ते बनाए जा रहे हैं और अवैध बाउंड्रीवॉल तानी जा रही हैं।

सरकारी जांच रिपोर्टों में दर्ज अवैध कॉलोनियों का कच्चा-चिट्ठा

1. ग्राम आमाडोंगरी (पटवारी हल्का नं. 37): आदिवासियों को बेचे अविकसित टुकड़े जांच दिनांकः 23 जनवरी 2026 (राजस्व निरीक्षण मण्डल निवास द्वारा मौका जांच)। खसरा व रकबाः खसरा नं. 51/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 (0.9210 हे.) एवं 51/2 (0.0100 हे.)। स्थितिः मौके पर सड़क, नाली, बिजली और पानी की कोई व्यवस्था नहीं। अनावेदक जांच में भूमि विक्रय की कोई भी वैध अनुमति पेश नहीं कर सके।फंसे क्रेताः अर्जुन सरोते (0.01 हे.), दयाशंकर मार्को (0.0092 हे.), बसंत कुमार मार्को (0.0092 हे.), वंदना वरकडे (0.0092 हे.), राजेश साहू (0.0076 हे.), निशा गोटिया (0.01 हे.), रोशनी बाई साहू (0.0092 हे.) आदि।2. पटवारी हल्का नं. 36 (निवास): 5 बड़ी अवैध कॉलोनियांखसरा नं. 271 (रकबा 0.10 हे.): अनिल कुमार लखेरा (भोपाल) द्वारा बिना डायवर्सन व ज्जहृष्टक्क के 26 प्लॉट काटकर बेचे गए।खसरा नं. 344 (रकबा 0.1782 हे.): दिनेश कछवाहा द्वारा अवैध रूप से 24 प्लॉट काटकर बेचे गए। खसरा नं. 300 (रकबा 0.2899 हे.): दीपक राय (जबलपुर) द्वारा 20 अवैध प्लॉट काटे गए। खसरा नं. 273 (रकबा 0.302 हे.): राहुल रोस्ता द्वारा बिना स्वीकृत लेआउट 13 प्लॉटों की प्लॉटिंग की गई।खसरा नं. 595 (रकबा 0.7432 हे.): जयप्रकाश गोंड द्वारा 06 अवैध प्लॉट बेचे गए। 3. ग्राम पड़रिया उर्फ नारायणगंजः कृषि भूमि पर 25 प्लॉटप्रतिवेदनः तहसीलदार नारायणगंज की जांच रिपोर्ट।खसरा व रकबाः खसरा नं. 139 (रकबा 0.53 हे.)।कॉलोनाइजरः संतकुमार चौकसे एवं कुलदीप चौकसे।

महिलाओं के स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना क्लब का उद्देश्य : अनीता गोयल

इनरव्हील क्लब ने किया कामकाजी महिलाओं का सम्मान



मंडला। दीपावली के अवसर पर घर से काम करने वाली महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महिला विकास समिति की महिलाओं द्वारा स्थानीय रपटा घाट पर दीपावली में उपयोग होने वाली विभिन्न सामग्रियों के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से महिलाओं ने अपने हुनर और मेहनत से तैयार सामग्री का प्रदर्शन एवं विक्रय किया। महिलाओं के इस प्रयास को प्रोत्साहित करने के लिए इनरव्हील क्लब द्वारा विशेष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष अनीता गोयल ने सभी स्टॉलों का अवलोकन किया और महिलाओं द्वारा तैयार की गई सामग्री की सराहना की। क्लब की सदस्यों ने स्वयं भी खरीदारी कर इन महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर आयोजन से जुड़ी श्रीमती साक्षी बिरयानी को इनरव्हील क्लब की ओर से मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं, स्टॉल लगाने वाली सभी कामकाजी महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए स्मृति चिह्न स्वरूप उपहार भेंट किए गए। इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष अनीता गोयल ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके हुनर, मेहनत और रचनात्मक कार्यों को पहचान एवं प्रोत्साहन मिलना बेहद जरूरी है। घर से काम करने वाली महिलाएं अपने कौशल के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में प्रयास कर रही हैं। इनरव्हील क्लब का उद्देश्य ऐसी महिलाओं को मंच प्रदान करना, उनके कार्यों को बढ़ावा देना और समाज में महिला स्वावलंबन की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी महिलाओं के हुनर को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों में सहभागिता करता रहेगा। कार्यक्रम में अनीता गोयल, आरती ब्रजपुरिया, अनीता राय, रुद्राक्ष दीक्षित सहित इनरव्हील क्लब की अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

काटी जा रही अवैध कॉलोनियां, जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल?

गढ़ाकोटा। नगर और आसपास के इलाकों में बिना अनुमति के कॉलोनियां काटने का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। कृषि भूमि को छोटे-छोटे भूखंडों में बांटकर प्लॉट बेचे जा रहे हैं, लेकिन न सड़क है, न नाली, न पानी-बिजली की व्यवस्था। इसके बाद भी जिम्मेदार विभागों ने आंखें मूंद रखी हैं, जिससे आम लोगों की गाढ़ी कमाई पर खतरा मंडरा रहा है।कॉलोनी काटने के लिए कॉलोनाइजर पंजीयन, स्वीकृत ले-आउट, भूमि का डायवर्जन और कॉलोनी विकास की अनुमति जरूरी है। बिना इनके प्लॉटिंग करना अनधिकृत कॉलोनी की श्रेणी में आता है।

नियमों के अनुसार स्वीकृत कॉलोनी में पक्की सड़क, नाली-ड्रेनेज, पेयजल, बिजली, सीवरेज, पार्क, पौधरोपण और ईडब्ल्यूएस व्यवस्था देना अनिवार्य है। गढ़ाकोटा की नई कॉलोनियों में ये सुविधाएं नजर नहीं आ रही हैं।

यदि प्लॉट अवैध कॉलोनी में है तो भवन निर्माण की अनुमति, बिजली-पानी का कनेक्शन और रजिस्ट्री-लोन में भी परेशानी आएगी। इसकी जांच की जिम्मेदारी राजस्व विभाग, नगर पालिका और नगर तथा ग्राम निवेश विभाग की है। नगरवासियों की मांग है कि सभी नई कॉलोनियों की जांच हो, अवैध कॉलोनियों की सूची सार्वजनिक की जाए और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई हो।

अनूठी प्रस्तुतियांः मां और बच्चों की रचनात्मकता ने सजाया दीपावली कार्निवल

मंडला। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में किड्ज़ी सिविल लाइंस मंडला में दीपावली कार्निवल का आयोजन किया गया। इसमें मां और बच्चों की रचनात्मकता,आकर्षक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मां और बच्चों की वेशभूषा प्रतियोगिता रही। इसमें माताओं ने अपने बच्चों के साथ विभिन्न विषयों पर आधारित प्रस्तुतियां दीं। प्रतियोगिता में मिसमैच वेशभूषा, वेस्ट मटेरियल का पुनः उपयोग, रॉयल जनरेशन, बॉलीवुड दीपावली थीम समारोह, कहानी की पुस्तक और उसका नन्हा नायक, पुरानी जनरेशन और नई जनरेशन, कल्पनाओं के पंख, नारी शक्ति तथा कलाकार और उसकी अनुपम कृति जैसे विषय शामिल रहे।माताओं ने आकर्षक परिधानों और अनूठी कल्पनाओं के माध्यम से इन विषयों को जीवंत किया। मां और बच्चों की खूबसूरत जुगलबंदी और आपसी तालमेल कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा।कार्निवल में दीपावली व्यंजन मेले का भी आयोजन किया गया। माताओं द्वारा लगाए गए विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल ने लोगों को आकर्षित किया। वहीं भव्य राम दरबार की सजावट ने परिसर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। विभिन्न मापदंडों के आधार पर प्रतियोगिता का निर्णायक मूल्यांकन मनु डीके एवं मोनिका कछवाहा ने किया। अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के साथ माताओं को भी अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता दिखाने का अवसर देते हैं। विद्यालय की सेंटर हेड शालिनी शुक्ला एवं कोऑर्डिनेटर राशि पमनानी ने सभी माताओं का आभार व्यक्त किया।

सिवनी मुख्यालय सहित आस पास क्षेत्रों में अवैध कालोनियों का मकड़जाल

सिवनी यशभारत।

सिवनी मुख्यालय सहित आस पास क्षेत्रों में अवैध कालोनियों का मकड़जाल फैला हुआ है। कुछ मामलों में एफ आई आर दर्ज की गई लेकिन कई लोगों को अभय दान दे दिया गया। बताया जाता है कि लगभग 07 साल पूर्व की याचिका में सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय की डबल बैंच ने मुख्य न्यायाधीश अल्पेश वाई कोगजे एवं न्यायाधीश विवेक जैन ने 03 नवंबर 2026 को महत्वपूर्ण आदेश जारी किया।

45 अवैध कालोनी का मामला 3 महीने के भीतर समाप्त करें- हाई कोर्ट

इस संबंध में जानकारी देते हुए याचिकाकर्ता राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि अनुविभागीय अधिकारी सिवनी (एस.डी.ओ.) को सिवनी जिले के अंतर्गत तहसील सिवनी के ग्रामीण क्षेत्रों में मार्च 2018 तक की स्थिति में स्थापित हो चुकी 45 अवैध कॉलोनियों की जानकारी प्राप्त हुई थी।उन्हें कलेक्टर कार्यालय की शासकीय वेबसाइट में अपलोड करके, तत्कालीन एसडीओ राजस्व सिवनी हर्ष सिंह द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए अवैध कॉलोनाइजर/ भूमि स्वामी/ खातेदार को किसी प्रकार की आपत्ति पेश करने अथवा अपना पक्ष शासन के समक्ष रखने हेतु 23 अप्रैल 2018 तक 10 दिवस का समय दिया गया था उसी विज्ञप्ति में यह भी कहा गया था कि निर्धारित अवधि पश्चात न्यायालय में विचाराधीन अवैध कॉलोनी के प्रकरण में मध्य प्रदेश ग्राम पंचायत (कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण निबंधन तथा शर्तें) नियम 1999 तथा मध्य प्रदेश ग्राम पंचायत (कॉलोनियों का विकास) नियम 2014 के नियमों के तहत कार्रवाई की जावेगी, लेकिन उसके पश्चात उन 45 प्रकरणों में विधि अनुसार कार्रवाई नहीं की गई । एस डी एम के द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के साथ जारी सूची में ग्राम मुरझोर, गोपालगंज, डोरली छतरपुर, पलारी, लोनिया, बिठली और लुघरवाड़ा की अवैध कालोनियां शामिल थी। उक्त अवैध कॉलोनी निर्माण कर्ताओं के विरुद्ध विधि अनुसार दांडिक कार्रवाई करने में असफल रहने पर नगर के जागरूक नागरिक राजेंद्र गुप्ता निवासी काली चौक सिवनी के द्वारा सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी सिवनी का ध्यानाकर्षण कराते हुए प्रार्थना की गई थी की तत्काल इस संबंध में विधि अनुसार दांडिक कार्यवाही एवं संबंधित भूमि का प्रबंध ग्रहण की कार्यवाही की जाना सुनिश्चित करें, फिर भी विधि अनुसार कार्रवाही नहीं हुई, तब राजेंद्र गुप्ता ने उच्च न्यायालय जबलपुर में पीआईएल रिट याचिका क्रमांक 19533/2019 फ़ाइल किया जिसमे राज्य शासन, कश्मीश्नर जबलपुर, कलेक्टर सिवनी, एस डी एम सिवनी और तहसीलदार सिवनी को पार्टी बनाया गया जिनकी तरफ से उच्च न्यायालय में दिनांक 28 जून 2024 को जीब फ़ाइल किया गया जिसमें उन 45 अवैध कॉलोनियों के संबंध में कहा गया था कि समय बीतने के साथ उन कॉलोनीयों को नियमित कर दिया गया है। याचिकाकर्ता राजेंद्र गुप्ता के विद्वान अधिवक्ता यशोवर्धन शुक्ला ने उच्च न्यायालय के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया कि अवैध कॉलोनी निर्माण होना पाए जाने पर अवैध कॉलोनी निर्माण कर्ता के विरुद्ध दांडिक कार्रवाही हेतु एफआईआर दर्ज कराए जाने का प्रावधान है तथा कॉलोनी की भूमि का प्रबंध सक्षम प्राधिकारी द्वारा हाथ में लेकर कॉलोनी का विकास करने का प्रावधान है, जिसका पालन प्रतिवादी गणों द्वारा नहीं किए जाने से उनका जवाब स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रतिवादी गण की ओर से अन्य 29 अवैध कॉलोनी के संबंध में कार्रवाही की जाने की बात उनके जवाब में कही गई, लेकिन याचिका कर्ता के विद्वान अधिवक्ता का तर्क था कि इसमें भी की गई कार्यवाही विधि के अनुरूप नहीं है , कुछ कॉलोनाइजरों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है और कुछ को छोड़ दिया गया है।कॉलोनियों की भूमि का प्रबंध ग्रहण सक्षम प्राधिकारी ने अपने हाथ में नहीं लिया है, अपितु उन भूमियों के खसरा प्रपत्र में अहस्तांतरणीय दर्ज कर दिया गया है और कॉलोनी विकास करने की कोई कार्यवाही नहीं की गई है। मामले की सुनवाई उपरांत दिनांक 03-11-2026 को पारित आदेश में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री अल्पेश वाई कोगजे एवं न्यायाधीश श्री विवेक जैन साहब की न्याय पीठ ने लिखा है कि राज्य प्रशासन के लिए संबंधित अधिनियमों यानि मध्य प्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 और मध्य प्रदेश ग्राम पंचायत (कॉलोनियों का विकास) नियम 2014 के प्रावधानों के तहत निर्धारित कार्यवाही शुरू करना अनिवार्य है, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए आदेश दिया गया है कि यदि कानून के अनुसार कोई कार्रवाई नहीं की गई है- तो राज्य प्रशासन अब कार्यवाही शुरू करें और उपरोक्त अधिनियम नियमों के प्रावधानों के अनुसार 3 महीने की अवधि के भीतर मामले को समाप्त करें।

उच्च न्यायालय के द्वारा दिये गए आदेश के बीएसडी याचिका कर्ता राजेंद्र गुप्ता ने कलेक्टर सिवनी, अनुविभागीय अधिकारी सिवनी तथा तहसीलदार सिवनी को दिनांक 04-11-2026 को आवेदन के साथ हाई कोर्ट के आदेश की प्रति प्रस्तुत करते हुए अनुरोध किया है कि सूचीबद्ध 45 अवैध कॉलोनियों के मामले में विधि अनुसार अपेक्षित कार्रवाही 3 माह की विहित अवधि में पूर्ण की जाना सुनिश्चित करने की कृपा करें तथा? अन्य अवैध कॉलोनियों के मामले में? भी विधि, नियम व प्रक्रिया का पालन किया जाना सुनिश्चित करे।

नशे का अवैध कारोबार करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें- कलेक्टर

भारत सरकार की मंशानुरूप वर्ष 2028 तक भारत को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकॉर्ड(NCORD- नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर) समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी, अपर कलेक्टर श्री नीलमणि अग्निहोत्री, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा सहित विद्यालय एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

बैठक में जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध शराब के निर्माण एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण तथा नशामुक्ति अभियान को गति देने के संबंध में विभागवार कार्रवाई एवं आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने सभी विद्यालय-महाविद्यालय एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास संचालित पान मसाला दुकानों तथा अवैध एवं प्रतिबंधित दवाओं के विक्रय की जानकारी संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं पुलिस को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को शैक्षणिक संस्थानों के आसपास संचालित ऐसी दुकानों को 3 दिवस के भीतर हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संयुक्त दल बनाकर करें सतत निगरानी

कलेक्टर ने कहा कि जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित विभाग संयुक्त दल बनाकर अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखें। नशामुक्ति के लिए जनजागरूकता अभियान चलाते हुए विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों की जानकारी दी जाए। उन्होंने अवैध एवं अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध पुलिस बल के साथ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नशीले पदार्थों की उपलब्धता, अवैध बिक्री, परिवहन एवं उपयोग की रोकथाम के लिए संबंधित विभागों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने को कहा।

दवा दुकानों की नियमित जांच के निर्देश

कलेक्टर ने औषधि निरीक्षक को जिले की दवा दुकानों का नियमित एवं सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिए। प्रतिबंधित दवाओं एवं सिरप की जानकारी नशामुक्ति दल के साथ साझा करने तथा आवश्यकतानुसार प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान दवा दुकानों के संचालन, उपलब्ध दवाइयों, उनके रख-रखाव एवं विक्रय प्रक्रिया की जांच करने तथा ऐसी दवाइयों की बिक्री एवं उपलब्धता पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया, जिनका दुरुपयोग नशे के लिए किया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अवैध शराब के कारोबार पर भी कार्रवाई

आबकारी विभाग को जिले में अवैध रूप से शराब के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय करने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अवैध शराब के कारोबार से जुड़े संभावित क्षेत्रों एवं गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा शराब दुकानों के आसपास संचालित अनधिकृत आहातों को हटाने की कार्रवाई करने को कहा गया। साथ ही ऐसे स्थलों को चिह्नित कर नियमित निरीक्षण तथा आवश्यक प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने पर जोर

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को नशामुक्ति अभियान को व्यापक रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक, जनजागरूकता कार्यक्रम सहित अन्य प्रभावी गतिविधियों के माध्यम से आमजन, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराने और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि छात्रों को नशे से बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। शिक्षक, पालक एवं अभिभावक अपने बच्चों से निरंतर संवाद एवं काउंसलिंग करते हुए उन्हें नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराएं। उन्होंने प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता एवं नशामुक्ति गतिविधियों को भी प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने तथा सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए।

नरवाई प्रबंधन एवं प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों को किया जागरूक

सिवनी यशभारत।

ग्राम पंचायत सूचनामेटा, विकासखंड घंसौर में कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम (आत्मा) योजनांतर्गत समूह क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण एवं फसल विविधीकरण सहित खेती से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई।

नरवाई नहीं जलाने और फसल अवशेषों के उपयोग की दी जानकारी

प्रशिक्षण में किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि इससे मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है, मिट्टी में मौजूद लाभकारी जीव नष्ट होते हैं तथा पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। किसानों को नरवाई नहीं जलाने तथा फसल अवशेषों को खेत में मिलाकर खाद के रूप में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। नरवाई प्रबंधन के लिए सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, मल्चर एवं बायो डिकंपोजर के उपयोग की जानकारी भी दी गई।



कम पानी में खेती एवं प्राकृतिक खेती अपनाने पर जोर

किसानों को प्राकृतिक खेती के लाभ, कम लागत में खेती करने के तरीकों तथा प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले आदान तैयार करने की विधियों की जानकारी दी गई। रबी मौसम में कम पानी में बेहतर उत्पादन के लिए चना, अलसी, सरसों एवं सूरजमुखी जैसी फसलों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया गया। साथ ही जल संरक्षण एवं उर्वरकों के संतुलित उपयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई।

उद्यानिकी विभाग द्वारा ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर एवं मिनी स्प्रिंकलर जैसे सूक्ष्म सिंचाई उपकरणों पर शासन द्वारा दिए जाने वाले अनुदान की जानकारी किसानों को दी गई। विभाग के माध्यम से उपलब्ध फल, फूल एवं सब्जियों के बीजों की उपलब्धता के संबंध में भी कृषकों को अवगत कराया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को नरवाई प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण एवं फसल विविधीकरण के प्रति जागरूक करते हुए मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा कम पानी और कम लागत में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना रहा।

धनतेरस पर जगमगाया बाजार, करोड़ों के कारोबार की उम्मीद

सोना-चांदी से लेकर वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, बर्तन और पूजन सामग्री की जमकर हुई खरीदारी, बाजारों में उमड़ी भीड़ से यातायात व्यवस्था पर भी बढ़ा दबाव

सिवनी यशभारत। **दीपावली पर्व को लेकर शुक्रवार को सिवनी नगर का बाजार पूरी तरह गुलजार नजर आया। सुबह से देर शाम तक शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भीड़ बनी रही। शुभ मुहूर्त में खरीदारी को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। सराफा बाजार, कपड़ा बाजार, बर्तन दुकानें, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रतिष्ठान, ऑटोमोबाइल शोरूम, मिठाई की दुकानें तथा पूजन सामग्री के बाजारों में दिनभर ग्राहकों की आवाजाही रही। धनतेरस के अवसर पर नई वस्तु खरीदना शुभ माना जाता है। इसी परंपरा के चलते लोगों ने अपनी क्षमता के अनुसार सोना-चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन तथा घरेलू उपयोग की सामग्री खरीदी।**



धनतेरस पर सबसे अधिक आकर्षण सराफा बाजार में देखने को मिला। सोने-चांदी के आभूषणों के साथ चांदी के सिक्के और अन्य शुभ सामग्री की खरीदारी के लिए ग्राहक दुकानों पर पहुंचे। महिलाओं में आभूषणों को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। कई लोगों ने दीपावली के अवसर पर पुराने आभूषणों के बदले नए आभूषण भी खरीदे। व्यापारियों ने दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया था। रोशनी और सजावट के बीच सराफा बाजार देर शाम तक ग्राहकों से भरा नजर आया।

बाजार की बढ़ी भीड़ से यातायात व्यवस्था पर दबाव

त्योहारी खरीदारी के कारण शहर की यातायात व्यवस्था पर भी खासा दबाव देखने को मिला। बाजार क्षेत्रों में सामान्य दिनों की तुलना में वाहनों की संख्या कई गुना बढ़ गई। दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की बढ़ती आवाजाही के चलते प्रमुख मार्गों और चौराहों पर यातायात की गति धीमी रही।

खरीदारी के लिए पहुंचे लोगों द्वारा सड़क किनारे वाहन खड़े किए जाने से भी कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित हुआ। बाजार क्षेत्रों में पैदल चलने वाले लोगों की संख्या बढ़ने से भी वाहन चालकों को सावधानी के साथ वाहन चलाना पड़ा।

यातायात पुलिस ने संभाली व्यवस्था

वाहनों व इलेक्ट्रिक उपकरण की बढ़ी मांग

धनतेरस पर वाहन खरीदने की परंपरा के चलते ऑटोमोबाइल बाजार में भी अच्छी ग्राहकी रही। दोपहिया वाहन शोरूम में युवाओं और परिवारों की भीड़ रही। वहीं चारपहिया वाहन खरीदने वाले ग्राहकों ने भी शुभ मुहूर्त में डिलीवरी लेना पसंद किया। कई ग्राहकों ने पहले से वाहन बुक करा रखे थे, जिन्हें धनतेरस पर घर ले जाया गया। त्योहारी सीजन में घर को नया रूप देने के लिए लोगों ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी खरीदारी की। मोबाइल, टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, मिक्सर, माइक्रोवेव सहित अन्य घरेलू उपकरणों की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।

व्यापारियों में उत्साह, अच्छे कारोबार की उम्मीद

धनतेरस पर बाजार में दिखाई दी चहल-पहल से व्यापारियों के चेहरे पर खुशी नजर आई। लंबे समय से दीपावली सीजन की तैयारियों में जुटे व्यापारियों को अब बेहतर कारोबार की उम्मीद है। सराफा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, बर्तन, मिठाई और सजावटी सामान सहित लगभग सभी प्रमुख बाजारों में अच्छी ग्राहकी देखने को मिली। व्यापारियों का अनुमान है कि दीपावली तक खरीदारी का सिलसिला जारी रहेगा और अंतिम दिनों में बाजार में और अधिक भीड़ उमड़ सकती है।

कितने करोड़ का हुआ कारोबार, आंकड़ों का इंतजार

धनतेरस एवं दीपावली के दौरान सिवनी नगर में सोना-चांदी, दोपहिया एवं चारपहिया वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, बर्तन, मिठाई और अन्य सामग्री की बिक्री से बड़े कारोबार की उम्मीद है। हालांकि विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक रूप से कितने करोड़ रुपये की खरीद-बिक्री हुई, इसका अधिकृत आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। संबंधित व्यापारिक संगठनों और प्रतिष्ठानों से आंकड़े प्राप्त होने के बाद ही नगर के कुल दीपावली कारोबार की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी।

धूमा में कलचुरी समाज को मिला नया नेतृत्व, अमित शिवहरे बने अध्यक्ष

धूमा यशभारत।

कलचुरी समाज धूमा की महत्वपूर्ण सामाजिक बैठक शुक्रवार को धूमा में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों, युवाओं एवं महिला सदस्यों ने सर्वसम्मति से अमित शिवहरे को कलचुरी समाज धूमा का अध्यक्ष चुना। चयन की घोषणा होते ही पूरे सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। उपस्थित समाज बंधुओं ने पुष्पहार पहनाकर, मिठाई खिलाकर नवनियुक्त अध्यक्ष का भव्य अभिनंदन किया और उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठजनों ने कहा कि अमित शिवहरे एक युवा, मिलनसार एवं समाज के प्रति समर्पित व्यक्तित्व हैं। उनके नेतृत्व में समाज में एकता, संगठन और सामाजिक सहभागिता को नई मजबूती मिलेगी। समाज के युवाओं को नई दिशा मिलेगी और समाजहित के कार्यों को नई गति प्राप्त होगी। नवनियुक्त अध्यक्ष अमित शिवहरे ने अपने उद्बोधन में समाज के सभी सदस्यों के प्रति



हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आप सभी ने जो विश्वास और जिम्मेदारी मुझे सौंपी है, मैं उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाऊंगा।

समाज का प्रत्येक सदस्य मेरा परिवार है। समाज का उत्थान, युवाओं को आगे लाना, शिक्षा को बढ़ावा देना और सामाजिक एकता को मजबूत करना ही मेरी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन और युवाओं के सहयोग से धूमा का कलचुरी समाज जिले में एक मिसाल बनेगा। बैठक के समापन पर समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों, युवाओं एवं समाज बंधुओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

श्रीमती सुशीला देवी मोदी का निधन



सिवनी यशभारत। **कान्हीवाड़ा के प्रतिष्ठित स्व. लाजपत राय मोदी परिवार की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती सुशीला देवी मोदी का लंबे उपचार के बाद निधन हो गया। वे स्वर्गीय महेश चंद मोदी की धर्मपत्नी व आनंद मोदी, अरुण मोदी की पूज्य माताजी थीं। उनका अंतिम संस्कार गत दिवस किया गया।शोकाकुल परिवार में रामकुमार मोदी, दिलीप मोदी, आनंद मोदी, अरुण मोदी व तनय मोदी (बाबू) सहित समस्त मोदी परिवार शामिल हैं।**

इमलिया डेम में घूमने गया युवक गंभीर रूप से घायल

सिवनी। छपारा से लगभग 16 किलोमीटर दूर विकासखंड के ग्राम इमलिया स्थित डेम में घूमने गए 22 वर्षीय युवक के नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, सूरज यादव पिता हीरालाल यादव (22), निवासी ग्राम सालेपानी, घंसौर, अपनी बहन के ससुराल ग्राम इमलिया आया हुआ था। इसी दौरान 6 नवंबर शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने उसे डेम के एक हिस्से के नीचे गंभीर अवस्था में पड़ा देखा। युवक के मुंह, आंखों सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल को स्वास्थ्य केंद्र छपारा पहुंचाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भैरोगंज में शराब दुकान खोलने के निर्देश निरस्त करने की मांग

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

सिवनी यशभारत। भैरोगंज क्षेत्र में शराब दुकान के संचालन और बार-बार स्थान परिवर्तन के मामले में विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने भैरोगंज में शराब दुकान खोलने संबंधी निर्देश निरस्त करने तथा मामले में लापरवाही बरतने वाले प्रशासनिक और आबकारी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में विधायक ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद दलसागर तालाब के समीप संचालित शराब दुकान को अब तक लगभग चार अलग-अलग स्थानों पर स्थानांतरित किया जा चुका है। क्षेत्र की महिलाएं लगातार दुकान का विरोध कर रही हैं। इस संबंध में उनके द्वारा भी जिला प्रशासन और विभागीय अधिकारियों को कई बार पत्र भेजे गए हैं। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में शराब दुकान को लेकर महिलाओं और आम नागरिकों में नाराजगी है। इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा दुकान खुलवाने में उनकी भूमिका बताकर भ्रम फैलाया जा रहा है। जबकि शराब ठेकेदार ने उच्च न्यायालय में प्रस्तुत हलफनामे में स्वयं उल्लेख किया है कि वे शराब दुकान हटवाना चाहते हैं।

उन्होंने पत्र में आरोप लगाया कि हलफनामे में स्थिति स्पष्ट होने के बावजूद राजनीतिक लाभ के लिए उन पर शराब ठेकेदार को संरक्षण देने के आरोप लगाए जा रहे हैं। प्रशासनिक उदासीनता से आमजन में नाराजगी बढ़ रही है और पार्टी की छवि भी प्रभावित हो रही है।

विधायक ने मुख्यमंत्री से भैरोगंज में शराब दुकान खोले जाने संबंधी निर्देश निरस्त कराने तथा इसके लिए जिम्मेदार प्रशासनिक एवं आबकारी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का आग्रह किया है। पत्र की प्रतिलिपि कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और जिला आबकारी अधिकारी को भी भेजी गई है।

युवा उत्सव का आयोजन 14 नवंबर को



सिवनी। जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 14 नवंबर को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शिवानी में आयोजित किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर अंजू अरुण कुमार एवं जिला पुलिस अधीक्षक कृष्णा चदानी सहित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती मनु धुर्वे एवं जिलाधिकारी खेल युवा उत्सव के निर्णायकों में इंद्रेश शर्मा रमेश श्रीवास्तव प्रकाश भंडारी डॉक्टर आरके चतुर्वेदी संजय जैन हीरालाल कुल्हाड़े ओमकार कश्यप मंड्रेला अशोक अकेला श्री चौरसिया सहित अनेक लोगों उपस्थित रहे। जिला पुलिस अधीक्षक में बताया कि 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं से जन्म भागीदारी के उद्देश्य 10 से 12 जनवरी 2017 तक नई दिल्ली में 15 से 29 आयु वर्ग के प्रतिभागियों को शामिल करने का निर्णय लिया गया है इस दौरान संस्कृत ट्रैक में समूह लोक नृत्य समूह लोग गायन पेंटिंग कविता लेखन एवं कर्नाटक का आयोजन नशा मुक्ति युवा हार्दिक से भारत थीम पर किया जाना है।

मॉर्डन हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने बनाई शानदार रंगोली

सिवनी यशभारत। स्थानीय मॉर्डन हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक सोच और रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य रंगोली का निर्माण किया है। विद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष गतिविधि में छात्रों ने पारंपरिक रंगों का उपयोग कर विभिन्न खेलों और खेलो इंडिया जैसे राष्ट्रीय खेल अभियानों को रंगोली के माध्यम से जीवंत किया।



छात्रों द्वारा तैयार की गई इस रंगोली में क्रिकेट, फुटबॉल, एथलेटिक्स और योग जैसी विधाओं को दर्शाया गया था। इसके साथ ही युवाओं को मोबाइल और डिजिटल स्क्रीन से दूर होकर मैदानी खेलों से जुड़ने तथा शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का एक मजबूत सामाजिक संदेश भी दिया गया।

इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य श्रीमती डॉ वंदना तिवारी शाला के डायरेक्टर श्री जनक तिवारी संतोष चौबे सन्तोष अग्रवाल सर और शिक्षकों ने बच्चों की इस अनूठी पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि कला के माध्यम से खेल भावना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना विद्यार्थियों की उत्कृष्ट टीम वर्क और रचनात्मक क्षमता को दर्शाता है।

चिंतन-मनन

महंगाई के अंधेरे में खुशियों का उजास

दीपावली प्रकाश, उल्लास और समृद्धि का पर्व है। यह केवल घरों में दीप जलाने या बाजारों को रोशनी से सजाने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन से अंधकार मिटाकर प्रेम, सद्भाव और मानवता का उजाला फैलाने का संदेश देता है। भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की स्मृति में मनाया जाने वाला यह पर्व बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दीपावली की चमक के बीच आम आदमी की खुशियों पर महंगाई का साया गहराता जा रहा है। त्योहार की तैयारियों के बीच बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है और खुशियों को भी आर्थिक गणित में उलझा दिया है।

इस वर्ष दीपावली पर बाजार में रौनक तो है, लेकिन खरीदारी की क्षमता पर महंगाई का दबाव साफ दिखाई दे रहा है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमतों में 3 से 7 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। दूध, मावा, खोया, चीनी और सूखे मेवों की लागत बढ़ने से मिठाइयां 15 से 30 प्रतिशत तक महंगी हो गई हैं। चीनी की कीमत करीब 65 रुपये किलो तक पहुंच गई है, जबकि बादाम और पिस्ता जैसे सूखे मेवों के दाम भी आम उपभोक्ता की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। पिस्ता की कीमत पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी होने की बात सामने आई है। गेहूं, दाल और खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों ने रसोई का बजट भी प्रभावित किया है। सवाल यह है कि जब रोजमर्रा की जरूरतें ही महंगी होती जा रही हैं, तब आम परिवार त्योहार की अतिरिक्त खुशियों का खर्च कैसे उठाए?

महंगाई का दूसरा पहलू उन छोटे कारोबारियों और पारंपरिक कारीगरों की मुश्किलें हैं, जिनकी आजीविका त्योहारों पर निर्भर रहती है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हार महंगी मिट्टी, बिजली और परिवहन लागत से परेशान हैं। ऊपर से बाजार में चाइनीज और रेडीमेड लाइटों की बढ़ती मांग ने उनके कारोबार को प्रभावित किया है। जिस दीपावली की पहचान मिट्टी के दीपक से है, उसी पर्व पर दीप बनाने वाले कारीगर आर्थिक संघर्ष कर रहे हैं। यह स्थिति हमारी बाजार व्यवस्था और उपभोक्ता प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़े करती है। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना केवल स्वदेशी का नारा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका बचाने का प्रयास है। हालांकि दीपावली का वास्तविक अर्थ महंगे उपहार, चमक-दमक और दिखावे में नहीं छिपा है। इसकी सार्थकता मन के भीतर के अंधकार को मिटाने में है। आज समाज ईर्ष्या, द्वेष, असहिष्णुता और भेदभाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में दीपावली हमें प्रेम, करुणा, सहयोग और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। जिस प्रकार छोटे-छोटे दीप मिलकर अंधकार को दूर करते हैं, उसी प्रकार समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने सकारात्मक योगदान से राष्ट्र को मजबूत बना सकता है।

पर्यावरण संरक्षण भी इस पर्व की बड़ी जिम्मेदारी है। पटाखों से होने वाला वायु और ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है। इसलिए हरित दीपावली को अपनाना समय की मांग है। मिट्टी के दीप जलाना, स्थानीय कारीगरों से खरीदारी करना और अनावश्यक खर्च से बचना इस पर्व को अधिक अर्थपूर्ण बना सकता है। सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी भी है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर निगरानी रखे और जमाखोरी तथा कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करे, ताकि त्योहार आम आदमी की पहुंच से बाहर न हो। अंततः दीपावली का उजाला तभी सार्थक होगा, जब किसी गरीब के घर का चूल्हा भी जले और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान आए। महंगाई के इस दौर में हमें समझना होगा कि त्योहार की खुशियां धन से नहीं, संवेदना और साझेदारी से बढ़ती हैं। इस दीपावली पर संकल्प हो कि हम केवल अपने घर नहीं, बल्कि समाज के हर उस कोने को रोशन करेंगे, जहां अभाव और निराशा का अंधेरा है। यही सच्चे अर्थों में दीपावली का संदेश है।

कड़वे वचन



अक्सर लोग मुझसे पूछते हैं मुनिश्री आप इतना चिल्ला चिल्लाकर क्यों बोलते हैं ? तब मैं कहता हूं कि भाई तुम्हारे घर में कुत्ता होता है। वह तुम्हारे द्वारा दी गई सूखी रूखी रोटी खाकर रात में जब तुम गहरी नींद में होते हो तो वह भौंक भौंक कर चोरों से तुम्हारे धन की रक्षा करता हैं। फिर मुझ तरुणसागर को तो समाज दोनों तरफ घी लगी रोटियां खिलाता है तो भला मैं क्यों न चिल्लाऊं।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांग:-8 नवम्बर, 2026
दिन-रविवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
अपने कार्यों को व्यवस्थित रूप से करना आपको सफल बनाएगा। उत्साह में वृद्धि होगी

वृष
समाज में मान-सम्मान बना रहेगा। विद्यार्थियों की भविष्य को लेकर चल रही समस्या दूर होगी।

मिथुन
आर्थिक कश्मकश बनी रहेगी। खर्चों पर कटौती करना अति आवश्यक है

कर्क
अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने से पहले उस पर सोच-विचार जरूर करें। सतर्क रहे

सिंह
अपने स्वभाव में अहम की भावना न आने दें। कारोबारी गतिविधियों में दिक्कतें रहेंगी।

कन्या
सफलता मिलेगी परंतु अभी और मेहनत की जरूरत है।

तुला
व्यवसायिक संपर्कों को मजबूत करें। किसी राजनीतिज्ञ से मुलाकात लाभदायक साबित होगी।

वृश्चिक
पति-प ी के बीच चल रही गलतफहमी का निवारण होगा। संबंधों में पुनः मधुरता आएगी।

धनु
प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी। बदलते वातावरण से सावधान रहना आवश्यक है।

मकर
प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त संबंधी कोई गतिविधि चल रही है तो उससे संबंधित काम हो सकता है।

कुंभ
परिवार में कोई धार्मिक आयोजन की योजना बनेगी। घर की साज सज्जा में समय व्यतीत होगा।

मीन
समस्या का सामंजस्य से समाधान निकालने की जरूरत है। धैर्य और शांति बनाए रखें।

बालाघाट/उमरिया

होंडा और हीरो शोरूम की पार्किंग व अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की हो जांच

अम्बेडकर चौक और गोंदिया रोड स्थित शोरूमों का संयुक्त निरीक्षण कराने की मांग

बालाघाट, यशभारत। शहर के अम्बेडकर चौक स्थित होंडा शोरूम और गोंदिया रोड स्थित हीरो शोरूम की पार्किंग एवं अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विभागीय जांच की आवश्यकता जताई जा रही है। दोनों व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में प्रतिदिन ग्राहकों और कर्मचारियों की आवाजाही को देखते हुए सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है।





शोरूम में ग्राहकों के वाहनों की पार्किंग निर्धारित परिसर में हो रही है या सड़क पर वाहन खड़े होने से यातायात प्रभावित हो रहा है, इसकी जांच नगर पालिका एवं यातायात पुलिस द्वारा की जानी चाहिए। साथ ही भवन का स्वीकृत नक्शा, व्यावसायिक उपयोग की अनुमति और पार्किंग संबंधी नियमों के पालन का भी सत्यापन जरूरी है।

अग्निशमन विभाग करे उपकरणों का भौतिक सत्यापन- अग्निशमन विभाग द्वारा दोनों शोरूम का मौके पर निरीक्षण कर अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, वैधता, कार्यशीलता, रखरखाव और आपातकालीन निकास की व्यवस्था की जांच की जानी चाहिए। यदि अग्नि सुरक्षा मानकों में कमी पाई जाती है तो संबंधित प्रावधानों के तहत नोटिस जारी कर निर्धारित समय-सीमा में सुधार कराया जाए। गंभीर उल्लंघन की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाए।

नगर पालिका और यातायात पुलिस की भी तय हो जवाबदेही- नगर पालिका परिषद को दोनों शोरूम की भवन संबंधी स्वीकृतियों, पार्किंग व्यवस्था और व्यावसायिक उपयोग की वैधानिकता की जांच करनी चाहिए। वहीं यातायात पुलिस को सड़क पर अवैध पार्किंग अथवा यातायात बाधित होने की स्थिति में नियमानुसार चालानी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त संबंधित विभागों से यह जानकारी भी सार्वजनिक करने की अपेक्षा है कि दोनों प्रतिष्ठानों का अंतिम निरीक्षण कब किया गया था, निरीक्षण में क्या कमियां मिली थीं और उन पर क्या कार्रवाई की गई थी।

अब कार्रवाई का इंतजार- मामला ग्राहकों, कर्मचारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा है। ऐसे में संबंधित विभागों को केवल कागजी जांच तक सीमित न रहते हुए दोनों शोरूम का संयुक्त भौतिक निरीक्षण करना चाहिए। यदि नियमों का उल्लंघन मिलता है तो जिम्मेदार प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि नगर पालिका, अग्निशमन विभाग और यातायात पुलिस इस मामले में कब तक कार्रवाई करते हैं।

पटाखा बाजार का एसडीएम ने किया निरीक्षण

सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर 7 दुकानदारों को नोटिस



बालाघाट, यशभारत। दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखा बाजार में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वारासिवनी एसडीएम श्री श्रीश प्यासी ने बीती रात्रि पटाखा बाजार का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ थाना प्रभारी (टीआई) श्री अनूप उइके एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सूर्य प्रकाश उके भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने पटाखा विक्रेताओं की दुकानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सभी विक्रेताओं को निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में 07 पटाखा विक्रेताओं द्वारा नियमों के अनुरूप दुकान का संचालन नहीं करने तथा आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाना पाया गया। इस पर संबंधित विक्रेताओं को नोटिस जारी कर तत्काल सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एसडीएम श्री प्यासी ने पटाखा विक्रेताओं को स्पष्ट चेतावनी दी कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी दुकानदार निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित पटाखा दुकानों के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पटाखा बाजार में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पूर्व नक्सल प्रभावित गांवों के किसानों को वितरित किए सरसों के बीज

वैल्यू चेन पार्टनर योजना से किसानों को फसल विविधीकरण और आय बढ़ाने का मिलेगा अवसर

बालाघाट, यशभारत। पूर्व नक्सल प्रभावित ग्रामों के किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने और उन्हें कृषि के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह एवं उप संचालक कृषि श्री फूल सिंह मालवीय के मार्गदर्शन में विकासखंड लांजी की ग्राम पंचायत देवरबेली के अंतर्गत आने वाले सात गांवों के किसानों को सरसों वैल्यू चेन पार्टनर योजना के तहत नि:शुल्क सरसों बीज का वितरण किया गया।



ग्राम पंचायत देवरबेली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्राम सतोना, नरपी (चिलकोना), नल्लेझरी, संदूका, सायर, टेमनी एवं केरादेही के किसानों को सरसों के बीज प्रदान किए गए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत देवरबेली के सरपंच श्री सुरेंद्र सिंह एवं जनपद पंचायत सदस्य श्री महेश चौधरी उपस्थित रहे।

योजना के माध्यम से पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को पारंपरिक खेती के साथ वैकल्पिक फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरसों की खेती से किसानों को फसल विविधीकरण का अवसर मिलेगा तथा कृषि आय में वृद्धि के साथ उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। शासन की इस पहल का उद्देश्य इन गांवों के किसानों को कृषि आधारित आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराकर विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।

बिठली सहकारी समिति में पद को लेकर विवाद ऑपरेटर ने प्रबंधन पर लगाए गंभीर आरोप!

बालाघाट, यशभारत। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बिठली में ऑपरेटर सतीश अजित और संस्था प्रबंधन के बीच पद एवं कार्यभार को लेकर विवाद गहरा गया है। सतीश अजित ने 6 नवंबर 2026 को प्रस्तुत स्पष्टीकरण में आरोप लगाया कि न्यायालय के स्थगन आदेश के बावजूद उन्हें उनके मूल पद ऑपरेटर पर कार्यभार नहीं सौंपा जा रहा है।



उन्होंने बताया कि वे वर्ष 2012 से संस्था में ऑपरेटर पद पर कार्यरत हैं तथा निलंबन संबंधी विवाद संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएं जबलपुर के न्यायालय में विचाराधीन है। उनके अनुसार न्यायालय ने 27 अगस्त 2026 को विवादित आदेश पर स्थगन दिया है।

आवेदक ने आरोप लगाया कि संस्था प्रबंधन द्वारा 29 अक्टूबर एवं 5 नवंबर को उन्हें विक्रेता (सेल्समैन) पद तथा दो शासकीय उचित मूल्य दुकानों का प्रभार लेने के लिए नोटिस जारी किए गए, जबकि उनका मूल पद ऑपरेटर है।

सतीश अजित ने संयुक्त पंजीयक जबलपुर, उप आयुक्त सहकारिता बालाघाट और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए न्यायालय के अंतिम निर्णय तक मूल पद पर कार्य करने देने का अनुरोध किया है।

अब सवाल यह है कि न्यायालयीन आदेश के पालन को लेकर संस्था प्रबंधन और सहकारिता विभाग क्या कदम उठाते हैं? मामले में प्रबंधन का पक्ष सामने आना भी जरूरी है।

46 दिन की निगरानी के बाद जंगल में छोड़ा गया कॉलर नंबर-1 हाथी

उमरिया, यश भारत। मध्यप्रदेश के तीन और उत्तर प्रदेश के दो जिलों में विचरण कर चर्चा में आया बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का कॉलर नंबर-1 हाथी आखिरकार 46 दिनों बाद फिर से प्राकृतिक रहवास में छोड़ दिया गया है। जंगल में छोड़े जाने के बाद वन विभाग की टीम उसकीगतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है।



जानकारी के अनुसार, कॉलर नंबर-1 हाथी बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से निकलकर उमरिया के आसपास के क्षेत्रों से होते हुए मैहर, रीवा और मऊगंज पहुंचा था। इसके बाद उसने उत्तर प्रदेश के दो जिलों तक भी विचरण किया। लंबी दूरी तय करने के बाद वह दोबारा मऊगंज क्षेत्र में पहुंचा, जहां उसके साथी हाथी की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद वन विभाग की टीम ने कॉलर नंबर-1 को रेस्क्यू कर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कल्लवाह परिक्षेत्र में निगरानी के लिए रखा था।

करीब 46 दिनों तक वन विभाग की टीम ने हाथी के स्वास्थ्य, गतिविधियों और व्यवहार पर नजर रखी। निगरानी के दौरान उसका व्यवहार प्राकृतिक वातावरण में छोड़े जाने के अनुकूल पाया गया। इसके बाद टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने उसे वापस जंगल में छोड़ने का निर्णय लिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने शनिवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कॉलर नंबर-1 हाथी को प्राकृतिक रहवास में छोड़ दिया गया है। फिलहाल वन विभाग की टीम उसकी लोकेशन और गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है, ताकि उसके सुरक्षित विचरण पर निगरानी रखी जा सके।

दीपावली पर पटाखे जलाते समय बरतें सावधानी- सीएमएचओ डॉ चंदेल

अस्पताल में 10 बेड रिजर्व - डां केसी सोनी



उमरिया, यशभारत। दीपावली पर्व के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग ने पटाखे जलाते समय सावधानी बरतने और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आमजन से अपील की है। सीएमएचओ डॉ. चंदेल ने लोगों को पटाखे जलाते समय आंखों की सुरक्षा के लिए पारदर्शी चश्मे का उपयोग करने, सूती कपड़े पहनने और पटाखों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को बिना निगरानी पटाखे न जलाने दें और तेज हवा व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर आतिशबाजी करने से बचें।

उन्होंने बताया कि पटाखा नहीं फूटने पर तत्काल उसके पास न जाएं, कुछ समय प्रतीक्षा करें। अस्थमा और हृदय रोगियों को पटाखों के धुएं और तेज आवाज से दूर रहना चाहिए। पटाखों से जलने पर प्रभावित हिस्से को 10 से 20 मिनट तक साफ ठंडे पानी से धोएं। वहीं आंखों में रासायनिक कण जाने पर 15 से 20 मिनट तक पानी से आंखें साफ करें और उन्हें रगड़ने से बचें। गंभीर चोट लगने पर तत्काल अस्पताल पहुंचें।

सिविल सर्जन डॉ. केसी सोनी ने बताया कि दीपावली के दौरान संभावित दुर्घटनाओं और आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए अस्पताल में 10 बेड रिजर्व रखे गए हैं। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके।

उन्होंने अनार, चकरी और बम हाथ में रखकर नहीं जलाने तथा पटाखे किसी व्यक्ति या पशु की ओर नहीं फेंकने की अपील की। स्वास्थ्य विभाग ने मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ खरीदते समय गुणवत्ता एवं शुद्धता का ध्यान रखने और घर में बनी मिठाइयों को प्राथमिकता देने की सलाह भी दी है।

धनतेरस पर उमरिया में 10 करोड़ से अधिक का कारोबार- कैट अध्यक्ष

उमरिया, यशभारत। जिले भर में धनतेरस पर इस बार ग्राहकों का सबसे अधिक रुझान सोने और चांदी की खरीदारी की ओर रहा। कैट के अध्यक्ष कीर्ति सोनी के मुताबिक, जिले में सोने-चांदी का कारोबार करीब 3 से 4 करोड़ रुपये तक पहुंचा है। हालांकि बाजार में महंगाई और सोने-चांदी की कीमतों के बावजूद लोगों ने परंपरा के अनुसार अपनी क्षमता के मुताबिक खरीदारी की। किसी ने सोने के आभूषण खरीदे तो किसी ने चांदी के सिक्के और अन्य सामानों की खरीदारी की। सोने-चांदी के कारोबार ने धनतेरस के बाजार को सबसे ज्यादा सहारा दिया।

वाहनों की खरीदारी ने भी बढ़ाई बाजार की रौनक- सोने-चांदी के बाद इस बार दोपहिया और चारपहिया वाहनों की खरीदारी में भी अच्छा रुझान देखने को मिला। धनतेरस के अवसर पर लोगों ने नए वाहन खरीदकर त्योहार की खुशियां मनाईं। कैट अध्यक्ष के अनुसार, दोपहिया वाहनों का कारोबार करीब 1 से 2 करोड़ रुपये के बीच रहा। इसके साथ ही चारपहिया वाहनों की बिक्री ने भी बाजार में उत्साह बनाए रखा। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन और अन्य घरेलू उपयोग के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीदारी की गई। फर्नीचर और सजावटी सामानों से दूरीइस बार बाजार में सभी क्षेत्रों में एक जैसा उत्साह देखने को नहीं मिला। सोना-चांदी, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की खरीदारी के मुकाबले फर्नीचर और सजावट के सामानों की ओर ग्राहकों का रुझान कम रहा। दुकानदारों को इन क्षेत्रों में अपेक्षित ग्राहकी नहीं मिली। हालांकि दैनिक उपयोग की घरेलू सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।



25 प्रतिशत बढ़ा कारोबार, व्यापारियों में उत्साह- कैट के अध्यक्ष कीर्ति सोनी ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार उमरिया का व्यापार करीब 25 प्रतिशत अधिक रहा है। जिले में 10 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ है। अकेले सोना-चांदी का व्यापार करीब 3 से 4 करोड़ रुपये तक पहुंचा, जबकि दोपहिया वाहनों में 1 से 2 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की भी अच्छी बिक्री रही।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं चिलमन चौक डॉ. अम्बेडकर वार्ड मण्डला से प्रकाशित। संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No. MPHIN/2013/56138.
फोन-(0761) 2643333 email - mandla@yashbharat.co.in (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)

नियमों को ताक पर रखकर ब्लैक मार्केट में बिक रहे पाइप बम

लोकल मैन्युफैक्चरिंग के चलते कार्रवाई से बच रहे कारोबारी, 125 डेसीबल तक धमाकों से दहलेगी शहर की आबादी

जबलपुर, यशभारत। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही शहर में पटाखों की दुकानें सज गई हैं। बाजार में आतिशबाजी की तमाम वैरायटी के बीच सबसे बड़ा खतरा उन पाइप बमों से है, जिनकी न तो कोई ब्रांडिंग होती है और न ही निर्माण करने वाली कंपनी का स्पष्ट नाम। स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले ये पाइप बम खुले बाजार में सामने से बेचने के बजाय कथित तौर पर ब्लैक मार्केट में मांग के आधार पर बेचे जा रहे हैं। तेज धमाकों और अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के लिए कुख्यात इन बमों की बिक्री पर अंकुश लगाना जिला प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।



दरअसल, चाइना पटाखों पर प्रतिबंध के बाद भी तेज आवाज वाले पटाखों का कारोबार थमा नहीं है। शिवाकाशी से आने वाले पटाखों के अलावा स्थानीय आतिशबाज भी सुतली बम, एटम बम और विशेष रूप से पाइप बम तैयार कर रहे हैं। इनमें पाइप बम सबसे ज्यादा चिंता का विषय हैं। इनका निर्माण स्थानीय स्तर पर होने के कारण किसी स्थापित ब्रांड का नाम या निर्माता की पहचान सामने नहीं आती। यही वजह है कि इनके निर्माण, भंडारण और बिक्री पर कार्रवाई करना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

दुकानों पर नहीं दिखेंगे, मांगने पर होगी सप्लाई

पाइप बमों का कारोबार करने वालों ने कथित तौर पर बिक्री का तरीका भी बदल लिया है। दुकानों के सामने इन्हें खुलेआम प्रदर्शित करने या बेचने के बजाय अलग से मांग करने वालों को उपलब्ध कराया जा रहा है। यानी बाजार में पटाखों की दुकानों पर भले ही इनकी मौजूदगी नजर न आए, लेकिन पर्दे के पीछे इनका कारोबार जारी रहने की शिकायतें हैं। ऐसे में प्रशासन की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का असर वास्तविक बिक्री तक पहुंच पाएगा या नहीं, यह बड़ा सवाल है।

125 डेसीबल तक धमाके आम लोगों की परेशानी

तेज आवाज वाले पटाखों से होने वाले धमाके रहवासी इलाकों में बुजुर्गों, छोटे बच्चों, बीमार व्यक्तियों और हृदय रोगियों के लिए परेशानी का कारण बनते हैं। 125 डेसीबल तक की आवाज वाले पटाखों को लेकर ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों और न्यायालयीन निर्देशों के तहत प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू हैं। इसके बावजूद हर साल दीपावली पर कानफोड़ू धमाकों की शिकायतें सामने आती हैं। पाइप बमों से होने वाला तेज धमाका ध्वनि प्रदूषण के साथ लोगों में घबराहट और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी बढ़ा सकता है।

स्थानीय निर्माण पर कार्रवाई कौन करेगा?- सबसे अहम सवाल स्थानीय स्तर पर हो रहे निर्माण को लेकर है। जब किसी पटाखे पर निर्माता का नाम, ब्रांड या वैधानिक पहचान ही नहीं होगी, तो उसकी सप्लाई चेन तक पहुंचना आसान नहीं होगा। प्रशासन को केवल लाइसेंसधारी दुकानों की जांच तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय निर्माण स्थलों, अवैध भंडारण और पर्दे के पीछे चल रहे कारोबार पर भी निगरानी रखनी होगी। अन्यथा प्रतिबंधात्मक आदेश कागजों तक सीमित रह जाएंगे और दीपावली की रात शहर के रहवासी इलाकों में तेज धमाकों का सिलसिला जारी रहेगा।

समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बढ़ेगी मुश्किल

पटाखों की खेप बाजार में पहुंचने के बाद ऐन वक्त पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करना कितना प्रभावी होगा, यह भी विचारणीय है। प्रशासन को पहले से ही ध्वनि सीमा का उल्लंघन करने वाले पटाखों की पहचान, स्थानीय निर्माताओं की जांच और अवैध बिक्री पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए थी। अब सवाल यह है कि जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभाग पाइप बमों के इस कथित ब्लैक मार्केट पर कितना अंकुश लगा पाते हैं या फिर इस बार भी आम नागरिकों को कानफोड़ू धमाकों के बीच दीपावली मनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

दो महीने से चलने-फिरने में असमर्थ 15 माह की हथिनी 'माया' हुई एयरलिफ्ट, इलाज के लिए पहुंचेगी वंतारा

कोच्चि। केरल के कपरीक्कड़ स्थित अभयारण्यम कैंप में पली-बढ़ी 15 माह की हथिनी माया को बेहतर इलाज और गहन चिकित्सा देखभाल के लिए जामनगर स्थित वंतारा ले जाया जा रहा है। माया पिछले करीब दो महीने से अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पा रही है। उसकी लगातार बिगड़ती हालत को देखते हुए वन विभाग ने विशेषज्ञों की सलाह पर उसे एयरलिफ्ट करने का निर्णय लिया है। माया को जन्म के दिन ही उसके झुंड ने छोड़ दिया था। इसके बाद उसे अभयारण्यम कैंप लाया गया, जहां वन विभाग के अधिकारियों और देखभाल करने वालों ने उसका पालन-पोषण किया। जुलाई 2026 में वह अचानक गिर गई, जिसके बाद उसके पैरों में वजन सहने की क्षमता नहीं रही। वह करीब दो महीने तक उठ नहीं सकी। उसके इलाज के लिए वन विभाग ने विशेष मेडिकल बोर्ड गठित किया। बोर्ड की



सलाह पर पशु चिकित्सकों ने लगातार उपचार किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। लंबे समय तक लेटे रहने के कारण शरीर पर घाव होने, मांसपेशियां कमजोर पड़ने और सांस लेने व पाचन संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ गया। 24 अक्टूबर को विशेषज्ञों ने माया की जांच की। इसके बाद वन विभाग ने हाथियों के उपचार और पुनर्वास में विशेषज्ञता रखने वाली वंतारा की टीम से संपर्क किया। टीम तत्काल अभयारण्यम पहुंची और वन अधिकारियों व चिकित्सकों के साथ मिलकर माया की स्थिति का आकलन किया। इसंयुक्त जांच के बाद विशेषज्ञों ने सहमति जताई कि माया के बेहतर उपचार और स्वस्थ होने की संभावना के लिए उसे वंतारा ले जाना जरूरी है। अब उसे कोच्चि हवाई अड्डे से जामनगर एयरलिफ्ट किया जा रहा है।



एम्स भोपाल में राष्ट्रीय ऑटोप्सी क्विज में रीवा की टीम ने मारी बाजी

भोपाल,यश भारत। एम्स भोपाल के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग द्वारा 8वीं राष्ट्रीय ऑटोप्सी क्विज फोरेंस का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देशभर के मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दस राउंड की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद श्याम शाह शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयय रीवा की टीम विजेता बनी, जबकि एम्स भोपाल की टीम उपविजेता रही। वर्ष 2015 में शुरू हुई यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी के व्यावहारिक और चिकित्सकीय ज्ञान से जोड़ने का मंच प्रदान कर रही है। एम्स के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेंद्र कोतवाल ने आयोजन की सराहना की।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र पांच दिन का रखने पर उमंग सिंघार ने उठाए सवाल

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र को पांच दिन का रखने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समस्याओं का अंबार है, लेकिन सरकार विधानसभा में चर्चा के लिए पर्याप्त समय नहीं दे रही है। सिंघार ने कहा कि इससे पहले मानसून सत्र भी पांच दिन के लिए बुलाया गया था लेकिन उसे तीन दिन में ही समाप्त कर दिया गया।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने ग्रामीणों को सौंपे मालिकाना हक के दस्तावेज, बोले- गरीब कल्याण में नहीं किया जाता भेदभाव

कोटरा गांव में स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूरी



भोपाल,यश भारत। हुजूर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोटरा में स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत पट्टों की रजिस्ट्री का कार्य पूरा हो गया है। धनतेरस एवं दीपावली के अवसर पर शुक्रवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने गांव पहुंचकर पात्र हितग्राहियों को रजिस्ट्री के दस्तावेज वितरित किए। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताते हुए कहा कि स्वामित्व योजना गरीबों को स्थायी मालिकाना हक देने की महत्वपूर्ण पहल है। रजिस्ट्री होने से ग्रामीण अब अपनी संपत्ति पर बैंक से ऋण लेने के साथ वैध रूप से क्रय-विक्रय भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब कल्याण में कभी भेदभाव नहीं करती। अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है। इसमें भाजपा कांग्रेस का भेद नहीं किया जाता। विधायक ने रजिस्ट्री कार्य समय पर पूरा करने के लिए एसडीएम तहसीलदार राजस्व निरीक्षक और पटवारियों सहित पूरे राजस्व अमले की सराहना की।

नेकी की दीवार पर अब नहीं रह गई नेकी

या तो जला दिये जा रहे कपड़े,या फिर बेचने वाले उठा लेते हैं

जबलपुर यश भारत। बड़े नेक इरादे से शहर में नेकी की दीवार शुरू की गई थी। जगह जगह ऐसे स्थान चिन्हित किए गए थे जहां लोग उनके लिए अनुपयोगी और पुराने हो चुके सामान वस्त्र, जूते, बर्तन, किताबें आदि रख जाएं तो जिन्हें जरूरत हो अपने हाथ से उठा कर ले जांए। इसका उद्देश्य उन गरीब परिवारों की मदद करना उद्देश्य रहा जो उन्हें खरीदने की क्षमता नहीं रखते हैं उनके अभावों को दूर करना रहा।



प्रारंभ में इसके प्रति लोगों की रुचि भी दिखी लोग दिल खोलकर वहां अपने घर में अनुपयोगी और पुरानी हो गई वस्तुएं छोड़ जाते थे और गरीब, मजदूर, रिक्शेवाले आदि अन्य लोग यहां तक कि सक्षम आर्थिक स्थिति वाले भी वहां से अपनी जरूरतों के सामान ले जाते हुए देखे गए। एक प्रकार से नेकी की दीवार वाले स्थान आदर्श अदल बदल के केन्द्र नजर आए। लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं। नेकी की दीवार वाली जगह अब एक प्रकार से कचरे के स्थान में तब्दील हो चुके हैं ?। अब वास्तविक जरूरत मंदों को वहां कोई जरूरत की वस्तु नहीं मिलती है। वैसे भी वहां पुराने बर्तन, किताबें, जूते आदि नहीं देखे गए।जो गरीब गुरबे वहां किसी उम्मीद से जाते थे, अब उनने उस तरफ देखना भी बंद कर दिया है। कारण यही की वहां उनकी जरूरतों का सामान कभी मिलता ही नहीं। उसके बाद रही सही कसर उन संग्रहकर्ताओं ने खत्म कर दी जो पुराने अच्छे कपड़े बटोर कर ले जाते हैं और उन्हें धोकर प्रेस करके गांवों में ले जाकर बेच देते हैं।रहे सहे कपड़ों के कचरे के ढेर को जला दिया जाता है या उनमें जानवर गंदा कर लोटते रहते हैं।गत दिवस ऐसा नजारा एक स्थान पर देखा गया जहां से पुराने कपड़े बटोर कर ले जा रहे थे। वहीं उस दीवार के पीछे बचे कपड़ों को जला दिया गया था। जिला प्रशासन और नगर निगम पुनः इस मामले में विचार करे कि ऐसे स्थान बने रहें या फिर उन्हें खत्म कर दिया जाए।

क्योंकि ऐसे स्थान उपयोगी तो रह नहीं गये अपितु गंदगी फैलाने के स्थान हो गये हैं।या फिर लोगों को प्रेरित करें कि वे अपने घर का अनुपयोगी सामान कबाड़ी को बेचने की जगह वहां रख जाएं और जरूरत मंद जिन्हें वास्तव में जरूरत है और वो उसे खरीद नहीं सकते हैं ले जाएं। क्योंकि सुना है कि दुआओं में बहुत असर होता है।

बिजली की मांग में कई गुना वृद्धि लेकिन सिस्टम वही 40 साल पुराना

जबलपुर, यशभारत। प्रदेश के प्रमुख शहरों में शामिल जबलपुर का विस्तार तेजी से हो रहा है, लेकिन विजयनगर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति आज भी चार दशक पुरानी व्यवस्था पर निर्भर है। वर्तमान में विजयनगर की आबादी एक लाख पार कर चुकी है और नए आवासीय प्रोजेक्ट्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा अस्पतालों के बनने से बिजली की खपत कई गुना बढ़ गई है। नए कनेक्शन तो लगातार दिए गए, लेकिन बुनियादी ढांचे और ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता में वृद्धि नहीं की गई। पुराने ट्रांसफॉर्मरों और ओवरलोडेड 33 केवी लाइनों पर अत्यधिक दबाव के कारण क्षेत्र में बार-बार ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज और बिजली व्यवधान जैसी गंभीर समस्याएं बनी रहती हैं। विनोबा भावे और नयागांव सबस्टेशन पर निर्भरता के चलते एक भी लाइन में खराबी आने पर दर्जनों कॉलोनियों में अंधेरा छा जाता है।

भोपाल और इंदौर जैसे शहरों में नए सबस्टेशनों का विस्तार तेजी से हुआ है, जबकि जबलपुर का विजयनगर क्षेत्र नए 132 केवी सबस्टेशन के इंतजार में है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और एमपी ट्रांसको की अनदेखी का खामियाजा आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है।

डिजिटल दौर में भी फीकी नहीं पड़ी बाजारों की रौनक, धनतेरस पर राजधानी में 500 करोड़ का रिकॉर्ड व्यापार

भोपाल,यशभारत।

त्योहारी खरीदारी के इस दौर में जहां ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स लगातार छूट और लुभावने ऑफर दे रहे हैं, वहीं भोपाल के स्थानीय व्यापारियों ने धनतेरस पर साबित कर दिया कि असली भरोसा और रौनक शहर के अपने बाजारों में ही है। राजधानीवासियों ने ऑनलाइन क्लिक के बजाय शहर के सराफा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और बर्तन बाजारों में खुद पहुंचकर खरीदारी करने को प्राथमिकता दी। व्यापारिक प्रतिनिधियों के अनुसार, धनतेरस के दिन भोपाल के प्रमुख सेक्टरों में ?500 करोड़ से भी अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया गया।



परंपरागत खरीदारी की चमक, सराफा में ?250 करोड़ तक का कारोबार-ग्राहकों के इस जबरदस्त रुख से स्थानीय व्यापारी गदगद हैं। सराफा व्यापारी पदाधिकारियों के अनुसार, सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों ने शगुन के सिक्के, आभूषण और कीमती धातुओं की खरीदारी दिल खोलकर की, जिससे अकेले सराफा बाजार ?200 से ?250 करोड़ का कारोबार कर गया।

ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स में दिखा जबरदस्त उत्साह-वाहन डिलीवरी के लिए शोरूम्स पर सुबह से देर रात तक मेले जैसा माहौल रहा। धनतेरस के शुभ मुहूर्त पर करीब 500 कारें और 2,000 दोपहिया वाहन बिके, जिससे ऑटोमोबाइल सेक्टर में ?120 से ?140 करोड़ का लेन-देन हुआ। वहीं, टीवी, फ्रिज और अन्य होम अप्लायंसेज के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में ?40 से ?45 करोड़ की बिक्री हुई।

बर्तन, मिठाई और सजावटी सामान की भी जमकर बिक्री

किचन के बर्तनों और क्रॉकरी दुकानों पर गृहणियों की भारी भीड़ रही। बर्तन बाजार में ?10 से ?20 करोड़ और क्रॉकरी में ?3 से ?5 करोड़ का व्यापार हुआ। इसके साथ ही, सजावटी तोरण व लाइटिंग में लगभग ?30 करोड़ और मिष्ठान कारोबार में ?10 से ?15 करोड़ की बिक्री हुई। कैट के प्रतिनिधियों का कहना है कि धनतेरस पर स्थानीय दुकानों की इस बंपर बिक्री ने यह साबित कर दिया है कि त्योहारों का असली आनंद और भरोसा शहर की भौतिक दुकानों से खरीदारी करने में ही है।



घरों में नहीं, धरना स्थल पर जलाए उम्मीद के दीप! चयनित शिक्षकों की डीपीआई के सामने मनी दिवाली

भोपाल यश भारत।

दीपावली का पर्व जहां लोग अपने परिवारों के साथ खुशियां मना रहे थे, वहीं चयनित प्राथमिक शिक्षक वर्ग-3 के अभ्यर्थियों ने डीपीआई कार्यालय के सामने धरना स्थल पर ही दीप जलाकर दिवाली मनाई। नियुक्ति की राह देख रहे इन अभ्यर्थियों ने अपने आंदोलन स्थल को ही दीपों से रोशन किया और सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने का प्रयास किया। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी सभी आवश्यक योग्यताएं पूरी कर ली हैं, इसके बावजूद अब तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि नियम क्रमांक 49 के प्रावधानों का पालन करते हुए उन्हें नियुक्ति दी जानी चाहिए। अभ्यर्थियों ने कहा कि नियुक्ति मिलने के बाद ही उनकी दीपावली की खुशियां पूरी होंगी। उन्होंने शासन और विभागीय अधिकारियों से जल्द नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग की।

नहीं किया गन्ना किसानों का बकाया भुगतान

महाकौशल शुगर मिल बचई सील



कलेक्टर न्यायालय द्वारा जारी आरआरसी के आधार पर जिला प्रशासन की टीम ने महाकौशल शुगर मिल बचई की इकाई को सील कर दिया है। उल्लेखनीय है कि महाकौशल शुगर मिल बचई द्वारा गन्ना किसानों को बकाया भुगतान के एवज में पोस्ट डेटेड चेक दिए गए थे, लेकिन ये चेक लगातार बाउंस हो रहे थे। किसानों द्वारा इस संबंध में बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद मिल प्रबंधन द्वारा भुगतान प्रक्रिया में अपेक्षित सुधार नहीं किया गया। किसानों के बकाया भुगतान के मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। उक्त कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय राजस्व अधिकारी नरसिंहपुर महेन्द्र पटेल, तहसीलदार अमित रिनाहिते, सहायक संचालक गन्ना डॉ. अभिषेक दुबे, नायब तहसीलदार राजीव नेमा, राजस्व निरीक्षक राजेश ठाकुर, पटवारी श्रीमती मेघा पंत सहित राजस्व विभाग का अमला



नरसिंहपुर यशभारत। गन्ना किसानों के बकाया भुगतान में लगातार लापरवाही बरतने तथा भुगतान के लिए दिए गए पोस्ट डेटेड चेक बाउंस होने के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है।

गोटेगांवए नरसिंहपुर एवं करेली में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

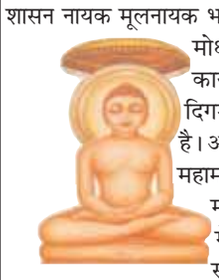
नरसिंहपुर यशभारत। दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जिले में दूषित एवं मिलावटी खाद्य सामग्री के विक्रय पर रोकथाम के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुश्री सारिका दुबे एवं श्रीमती कविता राठौर द्वारा गोटेगांव, नरसिंहपुर एवं करेली के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुंदा पेड़ा, मिल्क केक, पेड़ा, खोवा, बर्फी, मगज के लड्डू एवं मीठा खोवा सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 40 नमूने संग्रहित कर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों एवं विक्रेताओं को खाद्य सामग्री निर्माण एवं भंडारण परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं शुद्ध मिठाइयों का विक्रय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं स्वच्छता के संबंध में आवश्यक हिदायत भी दी गई।

मां नर्मदा सेवा समिति ने डॉ. मदन पटेल की निस्वार्थ सेवा पर किया सम्मान



करेली यशभारत। भगवान धनवंतरी के अवतरण दिवस के अवसर पर करेली बस्ती के धनवंतरी डॉक्टर मदन पटेल जो की लगातार अनेक वर्षों से नर्मदा परिक्रमा वासियों की निशुल्क उपचार सेवा कर रहे हैं। ऐसे सेवाभावी का नर्मदा सेवा समिति करेली बस्ती धर्मशाला द्वारा सम्मान किया गया विगत एक दशक से पैदल परिक्रमावासियों की सतत् सेवा में समर्पित स्थानीय नि:शुल्क विश्राम स्थल जहां पर समिति के वरिष्ठजन प्रतिदिन दोपहर व रात्रि विश्राम हेतु आ रहे मां नर्मदा पैदल परिक्रमावासियों को नि:शुल्क भोजन विश्राम की व्यवस्था संभालते हैं वहीं क्षेत्रीय आमजन भी अपने जन्मदिवस वैवाहिक वर्षगांठ जन्मजयंती पुण्यतिथि जैसे अवसरों पर यहां भोजन प्रसादी कराते हैं। करेली निवासी मनीष नेमा कट्टा अपनी टिफिन सेवा में लागत मूल्य पर पूर्ण सात्विक भोजन तैयार कर पहुंचाते है ।

भगवान महावीर स्वामी निर्वाण महोत्सव महामस्तकाभिषेक कल



गोटेगांव यशभारत। जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक मूलनायक भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर विविध कार्यक्रमो का आयोजन सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा किया गया है। आयोजन के तहत श्री वीर प्रभु का महामस्ताभिषेक श्री दिगम्बर जैन मंदिर लक्ष्मीनारायण वार्ड करेली में आयोजित है। श्री विद्याश्रमण संरक्षक युवा मंडल से अमित जैन संजय ने बताया कि सभी मांगलिक कार्यक्रमों में कार्तिक कृष्ण अमावस्या सोमवार 09 नवंबर को भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव को प्रात: 6. 30 से महावीराष्टक, मंगलाष्टक, विधान की मांगलिक क्रियाएंए मूल नायक भगवान श्री महावीर स्वामी जी का स्वर्ण कलशों से मस्तकाभिषेक एवं स्वर्ण झारी रिद्धि सिद्धि मंत्रों से शांति धारा, महा मस्तकाभिषेक, शांति धारा पूजन, भगवान महावीर प्रभु जी की पूजन, निर्वाण लाडू समर्पित, भगवान महावीर विधान होगा। दोपहर 3. 30 बजे से मंगलाष्टक, अभिषेक, गौतम गणधर की पूजन, भक्तांबर जी के रिद्धि सिद्धि मंत्रों से दीप प्रज्वलन एवं महाआरती होगी। समस्त आयोजन मंदिर जी में चातुर्मास रत परम पूज्य आर्यिका रत्न 105 सौम्यमति एवं चैत्यमति माताजी के सानिध्य में आयोजित है। आयोजन मे सकल दिगम्बर जैन समाजए ट्रस्ट कमेटी, श्री विद्याश्रमण संरक्षक युवा मंडलए महिला मंडल ने सभी सामाजिक जनों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

हितग्राहियों को मिले रजिस्ट्री एवं पंजीयन प्रमाण पत्र

गोटेगांव यशभारत। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रहली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आयोजित स्वामित्व अधिकार अभिलेख वितरण कार्यक्रम में विधायक महेन्द्र नागेश ने सहभागिता की। इस अवसर पर निष्पादन एवं



पंजीयन योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को रजिस्ट्री एवं पंजीयन प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा सभी लाभार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। विधायक महेन्द्र नागेश ने कहा कि स्वामित्व का अधिकार केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार की सुरक्षाए सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण आधार है। इससे ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का वैधानिक अधिकार प्राप्त होने के साथ ही आर्थिक एवं सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार निरंतर जनकल्याण और ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शासन का संकल्प है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति

हंसी-खुशी अपनों के बीच रहकर मनाएं दीपावली, अंधेरे में रोशनी का प्रतीक पर्व है दीपावली आज

गोटेगांव यशभारत। दीपावली खुशियों का पर्व है, इसे अपनों के साथ हंसी-खुशी मनाएं, लेकिन इसके साथ ही पर्यावरण का भी ख्याल रखें। कहीं आपकी खुशी से आसपास का वातावरण दूषित न हो। पुरानी मान्यता है कि भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने पर नगरवासियों ने खुशी के अवसर पर दीप जलाकर अयोध्या को रोशन कर दिया था। तब से यह त्योहार मनाया जा रहा है। लेकिन समय के साथ इसका स्वरूप भी बदलता गया। हमें दीपावली मनानी है, लेकिन पर्यावरण का भी ख्याल रखना होगा। केरोसिन के दीये जलाने से दीपावली पर खूबसूरती कम, प्रदूषण अधिक फैलता है। घी या तिल के तेल के दीये जलाने चाहिए। आतिशबाजी से परहेज करना चाहिए। बहुत इच्छा हो तो इको-फ्रेंडली पटाखों का प्रयोग करें। खुशियों भरे त्योहार का सच्चा आनंद तभी उठाया जा सकता है, जब अपने अतिरिक्त अपने आसपास के लोगों तथा पर्यावरण का भी ख्याल रखा जाए।



इस दिन लोग अपने घर की सुख शांति और समृद्धि के लिए माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करते हैं और अपने दोस्तों व रिश्तेदारों को गिफ्ट्स और मिठाइयों के साथ दीपावली की बधाइयां देते हैं। भारतवर्ष में मनाए जाने वाले सभी त्योहारों में दीपावली का सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्व है। इसे दीपोत्सव भी कहते हैं। शतमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् अंधेरे से ज्योति अर्थात प्रकाश की ओर जाइए, यह उपनिषदों की आज्ञा है। इसे सिख, बौद्ध तथा जैन धर्म के लोग भी मनाते हैं।



जैन धर्म के लोग इसे महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में मनाते हैं तथा सिख समुदाय इसे बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाता है। माना जाता है कि दीपावली के दिन अयोध्या के राजा राम अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे। अयोध्यावासियों का हृदय अपने परम प्रिय राजा के आगमन से प्रफुल्लित हो उठा था। श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाए। कार्तिक मास की सघन काली अमावस्या की वह रात्रि दीयों की रोशनी से जगमगा उठी। तब से आज तक भारतीय प्रति वर्ष यह प्रकाश पर्व हर्ष व उल्लास से मनाते हैं। दीपावली दीपों का त्योहार है। भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है, झूठ का नाश होता है। दीपावली यही चरितार्थ करती है। दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है। कई सप्ताह पूर्व ही दीपावली की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं। लोग अपने घरों, दुकानों आदि की सफाई का कार्य आरंभ कर देते हैं। घरों में मरम्मत, रंग रोगन, सफेदी आदि का कार्य होने लगता है। लोग दुकानों को भी साफसुथरा कर सजाते हैं। बाजारों और गलियों को भी सुनहरी झंडियों से सजाया जाता है। दीपावली से पहले ही घर, मोहल्ले, बाजार सब साफ-सुथरे व सजे-धजे नजर आते हैं। समस्त सुख समृद्धियों के साथ सभी देशवासियों को पत्रकार आशीष साहू की ओर से दीपावली की

1175 किलोग्राम महुआ लाहन, 8 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद



नरसिंहपुर यशभारत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी बीएल उइके के मार्गदर्शन में वृत्त नरसिंहपुर अंतर्गत आबकारी एवं पुलिस संयुक्त टीम द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध गुरुवार को दबिश की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 8 लीटर हाथ भट्टी की अवैध मदिरा एवं 1175 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। मप्र आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 के तहत 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इसी दौरान एक मदिरा दुकान का भी सघन निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर आबकारी उप निरीक्षक आकांक्षा धनोतिया, आबकारी मुख्य आरक्षक सदर सिंह बरकड़े, अनिल सिंह राठौर, नवल सिंह ठाकुर, आरक्षक दीपांश चौकसे, महिला आरक्षक गरिमा उपाध्याय तथा नगर सैनिक महेश साहू एवं थोबन सिंह उपस्थित रहे।

पार्षद की बेटी देशना जैन ने सीए फाउंडेशन में मारी बाजी, जबलपुर में रही सेकंड टॉपर

गोटेगांव यशभारत। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया आईसीएआई द्वारा आयोजित सीए फाउंडेशन परीक्षा सितंबर 2026 के घोषित परिणाम में देशना जैन ने 400 में से 314 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। उन्होंने जबलपुर शहर में दूसरा स्थान प्राप्त किया।



देशना ने जबलपुर के आईटेक कोचिंग संस्थान से परीक्षा की तैयारी की। उन्होंने अकाउंटिंग में 86ए बिजनेस लॉ में 59, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड में 82 और बिजनेस इकोनॉमिक्स में 87 अंक प्राप्त किए। कुल 314 अंकों के साथ उन्होंने डिस्टिंक्शन भी हासिल की। देशना के पिता मनीष कुमार जैन पार्षद हैं और माता नीलम जैन हैं। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने माता पिता एवं गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया। उनकी उपलब्धि पर परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

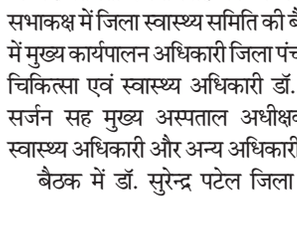
11000 दीपों से आज जगमग होगा श्री राम परिसर

करेली यशभारत। दीपोत्सव का पर्व मुख्य रूप से अंधकार पर प्रकाश की, बुराई पर अच्छाई की और अज्ञान पर ज्ञान की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। करेली नगर के अति प्राचीन देवालय श्री राम मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राम मंदिर सेवा समिति सनातन मंदिर समिति के द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। श्री राम मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित शिवनारायण दुबे एवं आयोजक समिति ने बताया कि आज प्रथम दिवस 8 नवंबर प्रातः भगवान श्री राम की आरती के पश्चात भगवान श्रीराम का सुबह 9 से रंगोली कार्यक्रम, रात्रि 9 बजे से दीपोत्सव कार्यक्रम संपन्न होगा । कल सोमवार को दैनिक संध्या महा आरती 7. 30 के उपरांत प्रभु श्री राम को छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे एवं नगर भोज विशाल भंडारा होगा। दो दिवसीय कार्यक्रम में आप हम सभी, अपनी सहभागिता एवं सहयोग प्रदान करें। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्री राम 14 वर्ष का वनवास और लंका के राजा रावण का वध करने के बाद माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्या वासियों ने घी के दीये जलाए थे, तभी से यह पर्व मनाया जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। श्री राम मंदिर सेवा समिति द्वारा अपने अथक प्रयास से कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर सभी सदस्यों को अपनी जिम्मेदारी से अवगत कराकर कार्यभार सौंप दिया है।



अवैध स्मैक के साथ 2 आरोपी धर दबोचे

करेली यशभारत। जिले के करेली नगर के ड्रीमलैण्ड सिटी कालोनी में पुलिस ने घेराबंदी करते हुए लगभग 43 ग्राम अवैध



स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है । ईगल क्ला के तहत् की गई बडी कार्रवाई में पकडी गई अवैध स्मैक की बाजार में कीमत 4 लाख रूपये से अधिक की बताई जा रही है । गिरफ्तार किये गए दोनों आरोपी बालिग है और इसके पहले भी अपराधों में लिप्त पाए गए है । करेली पुलिस थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में थाना प्रभारी रत्नाकर हिंग्वे ने बताया कि शान शौकत एवं उच्च जीवन जीने के लिए इस तरह की वारदातें आरोपी करते हैं ।

जमीन और मकान केवल संपत्ति नहीं, भविष्य की सुरक्षा का आधार-विधायक श्री पटेल



नरसिंहपुर यशभारत। विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने ग्राम पंचायत बिलगुवां में आयोजित कार्यक्रम में स्वामित्व योजनांतर्गत हितग्राहियों को रजिस्ट्रियां वितरित की। इस दौरान 191 हितग्राहियों को रजिस्ट्री वितरित की गई। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पटवारियों एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। विधायक श्री पटेल ने कहा कि जमीन और मकान केवल संपत्ति नहीं होते, बल्कि किसी भी परिवार की वर्षों की मेहनत, उसका सम्मान और उसके भविष्य की सुरक्षा का आधार होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक ऐसे परिवार हैं, जो वर्षों से अपने मकानों में निवास कर रहे हैं, लेकिन किसी कारणवश उनके पास अपने मकान के वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे परिवारों को उनके अधिकार दिलाने और उन्हें कानूनी रूप से संपत्ति का मालिकाना हक प्रदान करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क रजिस्ट्री जैसी महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना का सबसे बड़ा लाभ यह है कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक बोझ से राहत मिलेगी। उन्हें अपने मकान का कानूनी अधिकार प्राप्त होगा तथा भविष्य में बैंक से ऋण लेने, संपत्ति से जुड़े विवादों और अन्य शासकीय कार्यों में भी सुविधा मिलेगी। यह पहल ग्रामीण परिवारों के सम्मानए आर्थिक सुरक्षा और सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विधायक श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गरीब, किसान, मजदूर और ग्रामीण परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

चावरा विद्यापीठ में मिहिर आचार्य हुए सम्मानित



करेली यशभारत। विगत दिवस नगर के आचार्य परिवार के सफल व्यवसायी गजेंद्र आचार्य के सुपुत्र मिहिर आचार्य को सीवीसी बोर्ड कक्षा बारहवीं में सभी संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर के विशेष कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि की भूमिका निभाते हुए पूर्व कुलगुरु डॉ राजकुमार आचार्य ने मिहिर आचार्य को शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया । इस अवसर पर चावरा विद्यापीठ प्राचार्य फादर वर्गीस भी उपस्थित रहे तथा मिहिर के परिजनो की उपस्थित भी रही। मिहिर की उल्लेखनीय उपलब्धि पर करेली शहर के शुभचिंतकों के साथ.साथ मित्रों ने भी बधाई शुभकामनाएं दी ।

मातृ मृत्यु, प्रसव में लापरवाही एवं गर्भवती महिलाओं को अनावश्यक रेफर करने के मामलों में कार्रवाई के निर्देश



नरसिंहपुर यशभारत। कलेक्टर एवं जिला स्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरकेचौधरी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में डॉ. सुरेन्द्र पटेल जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की अधिक शिकायतें हितग्राही से प्रसव के लिए पैसा मांगने एवं कार्य में लापरवाही पर मातृ मृत्यु तथा अनावश्यक गर्भवती महिलाओं को रिफर करने के मामलों को गंभीरता से लिया गया। इनके विरुद्ध कार्यवाही हेतु प्रस्ताव बनाकर कलेक्टर को भेजने और ग्राम बैंड़िया की गर्भवती महिला की रेफर उपरांत मृत्यु होने पर लापरवाही के मामले में कार्यवाही के निर्देश दिये गये। समस्त मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी जिला नरसिंहपुर को जिन गर्भवती महिलाओं की डिलेवरी लंबित है, उनकी जानकारी बनाकर जिला कार्यालय में भेजने के निर्देश दिये गये।

गर्भवती महिलाओं के पंजीयन एवं स्वास्थ्य जांच की समीक्षा

चार पंजीयन गर्भवती जांच में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर, विकासखंड साईंखेड़ा, विकासखंड गोटेगांव एवं विकासखंड बाबई चीचली की सबसे कम उपलब्धि पाए जाने पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पंजीयन शत प्रतिशत करने के निर्देश दिये। उन्होंने समस्त विकासखंड अनमोल पोर्टल के आधार पर गर्भवती महिला हितग्राहियों से सीधे प्रतिदिन उनकी जांच के संबंध में बात करने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने 34 माह से अधिक की गर्भवती महिलाओं से संबंधित क्षेत्र की एएनएम को प्रतिदिन गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी चर्चा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन ग्रामों में समग्र आईडी नहीं बनी है, वहां पर विकासखंड स्तर पर जीआरएस, सीईओ जनपद, बीएमओ स्तर से मीटिंग की जाये। प्रतिमाह बटवायी जाने के एवं पंचायतवार सभी मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी सूची बनाकर जिला कार्यालय में भेजने के निर्देश दिये गये। जिन क्षेत्रों में गर्भवती महिला कम मिल रही हैं, वहां पर आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा सर्वे कराने के निर्देश दिये गये।

एएनएम एवं स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यों की होगी नियमित जांच

विकासखंड गोटेगांव अंतर्गत श्रीमती सरिता ठाकुर लाठगांव एएनएम एवं मीना ठाकुर एएनएम शहरी गोटेगांव कार्यस्थल पर स्कोर कार्य नहीं कर रही हैं। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने प्रतिदिन मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी गोटेगांव प्रातः 10 बजे जाकर उनको चेक करेंगे एवं अपनी रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला नरसिंहपुर के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जिन सीएचओ द्वारा घर से सार्थक हाजिरी लगाई जा रही है, उनको आगामी जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में बुलाने के निर्देश दिये गये। विकासखंड करेली के अंतर्गत श्रीमती भागवती गढ़वाल एएनएम उप स्वास्थ्य केन्द्र निवारी के कार्य में लापरवाही एवं सेवा समाप्ति का प्रस्ताव कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

एनीमिया प्रबंधन में कम उपलब्धि वाले क्षेत्रों को सुधारने के निर्देश

क्यूम्यूलेटिव मॉडरेट एनीमिया में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर एवं विकासखंड करेली का मॉडरेट एनीमिया प्रबंधन जिले में कम है। इस पर कलेक्टर ने शत प्रतिशत करने हेतु निर्देश दिये गये। माह अक्टूबर 2026 मॉडरेट एनीमिया में विकासखंड बाबई चीचली की उपलब्धि कम है। प्रतिदिन समस्त विकासखंड स्तरीय अधिकारी स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत समस्त पोर्टल खोलकर कार्य देखेंगे एवं कम उपलब्धि वाले क्षेत्र के कर्मचारियों से उसी दिन चर्चा करने के निर्देश दिये गये, जिससे कार्य में सुधार आ सके।

हाई रिस्क प्रेग्नेंसी एवं लंबित डिलेवरी प्रकरणों की समीक्षा

हाई रिस्क प्रेग्नेंसी ड्यू फॉर डिलेवरी एडमिट इन फैसिलिटी में विकासखंड चांवरपाठा एवं विकासखंड नरसिंहपुर की जिले में सबसे कम उपलब्धि है। इसे शत प्रतिशत करने के निर्देश दिये गये।

कलेक्टर ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के कार्य विभाजन में किया बदलाव

नरसिंहपुर यशभारत। जिले में प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन एवं कार्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा संवर्ग के अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन एवं पदस्थापना में संशोधन करते हुए नवीन आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत पूर्व में जारी संबंधित आदेशों को अधिक्रमित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूजा सोनी जो वर्तमान में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी गोटेगांव के पद पर पदस्थ थीं उन्हें जिला कार्यालय नरसिंहपुर में पदस्थ किया गया है। वहीं डिप्टी कलेक्टर कल्पेश सिंघई जो वर्तमान में जिला कार्यालय नरसिंहपुर में पदस्थ थे, उन्हें अनुविभागीय राजस्व अधिकारी गोटेगांव में पदस्थ किया गया है।

अनिश्चितताओं से घिरा रहा है सैमसन का करियर



मुम्बई (यशभारत)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी आज तक भी टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण निरंतरता की कमी को बताया जाता है। वहीं कई दिग्गजों कहना है कि इस अनिश्चितता के पीछे केवल उनका प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि कई अन्य कारण भी जिम्मेदार हैं। इसमें ये भी रहा कि हमेशा उनका क्रम बदला गया जिससे वह किसी भी क्रम पर अपने को स्थापित नहीं कर पाये।

उन्हें कभी पारी की शुरुआत करने भेजा गया, कभी तीसरे नंबर पर, तो कभी मध्य क्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ी। यह निरंतर बदलाव किसी भी खिलाड़ी के लिए अपनी लय खोजना मुश्किल बना देता है। इस अस्थिरता के कारण वह खुलकर नहीं खेल पाये क्योंकि उन्हें हमेशा टीम की जरूरत के अनुसार अपनी भूमिका बदलनी पड़ी है, जिससे उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि संजू एक शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं और सोशल मीडिया पर अन्य खिलाड़ियों की तरह सक्रिय नहीं रहते। इसी कारण शायद उन्हें मीडिया और पूर्व क्रिकेटरों से वह मजबूत समर्थन नहीं मिलता जो कुछ अन्य युवा खिलाड़ियों को मिलता है। हाल ही में न्यूजीलैंड दौरे पर उनके शानदार अर्धशतक के बावजूद, कुछ ही खराब मैचों के बाद उनके करियर पर फिर से सवाल उठने लगे थे। वहीं, देखा गया है कि कुछ अन्य खिलाड़ियों को शुरुआती विफलताओं के बावजूद लगातार मौके मिलते रहते हैं, और एक बड़ी पारी उनकी पिछली कमियों को आसानी से ढक देती है। यह तुलना संजू पर अतिरिक्त मानसिक दबाव डालती है। जब कोई खिलाड़ी एक अर्धशतक लगाकर मैच जिताता है, तो उसके लिए उतनी चर्चा नहीं होती, जबकि किसी अन्य खिलाड़ी के लिए कुछ पूर्व क्रिकेटर सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ करते हैं। यह स्थिति संजू को मानसिक रूप से प्रभावित कर सकती है, जिससे उनके खेल पर भी असर पड़ता है। यह बड़ा सवाल है कि संजू को ही क्यों हमेशा अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाया जाता है, जबकि अन्य खिलाड़ियों को उनके पसंदीदा स्थान पर खेलने का अवसर मिलता है। टीम प्रबंधन और क्रिकेट विशेषज्ञ अक्सर संजू के एक खराब मैच के बाद उन्हें बाहर करने की बात करते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि उन्हें भारतीय टीम में वह समर्थन और स्थिरता क्यों नहीं मिली जिसके वह हकदार थे। आखिर कोई खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे दे पाएगा, जब उसके दिमाग में यह चल रहा हो कि अगले मैच में उसे बाहर बैठना पड़ सकता है या उसका बल्लेबाजी क्रम बदला जा सकता है? उनकी प्रतिभा निर्विवाद है, लेकिन उन्हें एक स्थिर मंच और अटूट समर्थन की आवश्यकता है ताकि वह अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें।

शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर भावुक हुए प्रशंसक

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आंखिरकार टेस्ट रि केट से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के सा ही शमी का 13 साल का टेस्ट करियर समाप्त हो गया। वह हालांकि एकदिवसीय ओर टी20 प्रारुप खेलते रहेंगे। शमी के टेस्ट से संन्यास के फैसले पर प्रशंसक भावुक हो गये और उन्होंने उनके

अमूल्य योगदान को याद किया। सोशल मीडिया पर उनकी इस खबर से निराशा और भावुक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। 13 सालों तक अपनी गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के दिलों में डर पैदा करने वाले शमी के इस फैसले से निराश उनके प्रशंसकों ने कहा कि आजा शायद आलोचकों को जवाब मिल गया होगा। साथ ही कहा, 'आपके योगदान को भारत और क्रिकेट प्रेमी कभी नहीं भूलेंगे।'

गौरतलब है कि 36 साल के शमी लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे। आखिरकार उन्होंने सोशल मीडिया में एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने संन्यास की घोषणा कर दी, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वह एकदवसीय और टी-20 जैसे सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना जारी रखेंगे। अपने संदेश में, शमी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब उनका सिर्फ एक ही सपना था कि देश के लिए कुछ कर दिखाना। उन्होंने आगे लिखा कि इसके बाद हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। टेस्ट क्रिकेट को अपनी



जिंदगी का बेहद खास हिस्सा बताते हुए उन्होंने भारी मन और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ अलविदा कहने की बात कही।

शमी के टेस्ट करियर का सफर आंकड़ों और शानदार स्पेल की एक अनूठी दास्तान रहा है। 6 नवंबर 2013 को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले शमी ने 13 साल के लंबे सफर में भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 27.71 की बेहतरीन गेंदबाजी औसत से कुल 229 विकेट अपने नाम किए। अपने इस सफल टेस्ट करियर के दौरान, उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने का कारनामा किया।

शमी की सबसे बड़ी खासियत नयी और पुरानी दोनों गेंदों से सीम और स्विंग हासिल करने की अद्भुत क्षमता थी। जिसके बल पर वह भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के सबसे मजबूत स्तंभ बने और विदेशी पिचों पर भी अपनी एक अलग और खास पहचान बनाई। खासतौर पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अपनी ही धरती पर शमी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जहाँ उन्होंने 35 टेस्ट मैचों में 25 से भी कम की शानदार औसत से 131 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका की उछालभरी और तेज पिचों पर शमी का प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जोहानिसबर्ग टेस्ट की दूसरी पारी में शमी ने सिर्फ28 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफलंदन के द ओवल मैदान पर आयोजित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में खेला था। इसके बाद लगातार चोटों और फिटनेस समस्याओं के कारण उनका टेस्ट करियर प्रभावित रहा और वे टीम से दूर होते चले गए।

महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में भारत की दीप्ति भी शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस) महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाली शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड की एमेलिया केर सबसे आगे हैं। ये खिलाड़ी अपनी इन पारियों से न केवल मैच विजेता रही हैं, बल्कि इन्होंने महिला क्रिकेट के मानकों को भी ऊंचा उठाया है। एमेलिया ने साल 2018 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 232 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। अपनी 145 गेंदों की इस पारी में इस बल्लेबाज ने 31 चौके और दो छक्के लगाए। करीब 195 मिनट तक बल्लेबाजी कर एमेलिया ने 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। एमेलिया से पहले, ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने साल 1997 में मुंबई में डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंदों पर नाबाद 229 रन बनाकर महिला एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी। क्लार्क ने अपनी पारी में 22 चौके लगाए और 181 मिनट तक बल्लेबाजी की। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पॉचेफस्ट्रूम में नाबाद 195 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने



मात्र 139 गेंदों का सामना करते हुए 26 चौके और पांच छक्के जड़े। 140.28 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी इस पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को यादगार जीत दिलाई। वहीं भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति भी इस विशिष्ट सूची का हिस्सा हैं। उन्होंने साल 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 160 गेंदों पर 188 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। उनकी इस पारी में 27 चौके और दो छक्के शामिल थे। 195 मिनट तक क्रीज पर रहकर दीप्ति ने 117.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह भारतीय महिला एकदिवसीय की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारियों में से एक है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने भी 17 अप्रैल 2024 को श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 147 गेंदों पर नाबाद 184 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 125.17 रहा।वहीं, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ने साल 2026 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 156 गेंदों पर 182 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और दो छक्के जड़े। 116.66 के स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी यह पारी महिला वनडे की बड़ी व्यक्तिगत पारियों की सूची में शामिल है।

हैरी केन अब साल 2029 तक बायर्न म्यूनिख में ही रहेंगे

सबसे अधिक वेतन पाने वालों में शामिल

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन का जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख क्लब के साथ करार साल 2029 तक बढ़ गया है। इससे अब केन यूरोपीय फुटबॉल के ऐसे खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं जिन्हें सबसे अधिक वेतन मिलता है। इस सूची में किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज शामिल हैं। नये करार के साथ ही केन को प्रति सप्ताह 4 लाख पाउंड से अधिक का वेतन मिलेगा। इस समझौते के साथ ही केन के क्लब छोड़कर कहीं और जाने की अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। गौरतलब है कि केन साल 2023 में टोटेनहम हॉटस्पर से बायर्न म्यूनिख में आये थे, जहां उनका चार साल का करार समाप्त होने जा रहा था। वहीं अब क्लब ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन और टीम के प्रति समर्पण को देखते हुए उनका करार बढ़ा दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अब वह वेतन के मामले में



किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गये हैं। गौरतलब है कि केन के लिए पिछला सत्र बेहद खास रहा, जहां उन्होंने 73 गोल दागकर प्रतिष्ठित , बैलन डीओर जीता। वह 25 साल में यह पुरस्कार हासिल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने। बायर्न ने उनके आने के बाद से ही बुंडेसलीगा का खिताब भी जीता और पिछले सत्र में जर्मन कप भी हासिल किया, जिससे केन के करियर में खिताबों का सूखा खत्म हुआ। उन्होंने जर्मनी की शीर्ष फुटबॉल लीग में सिर्फ98 मैचों में 100 गोल पूरे किए, जो इस उपलब्धि तक पहुंचने का सबसे तेज रिकॉर्ड है।

रंग संसार

एआई का ऐसा इस्तेमाल परेशान करने वाला: श्रेया सरन



मुंबई (ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानि एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर अभिनेत्री श्रेया सरन ने भी चिंता जताई है। एक्ट्रेस ने कहा कि एआई तकनीक का दुरुपयोग लोगों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकता है। श्रेया सरन के मुताबिक, एआई के जरिए तस्वीरों में इस तरह बदलाव किए जाते हैं कि वास्तविक व्यक्ति की छवि ही बदल जाती है। कई बार कपड़ों और शरीर के आकार तक में आपत्तिजनक बदलाव कर दिए जाते हैं। एक साक्षात्कार में श्रेया सरन ने बताया कि उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ भी इस तरह की छेड़छाड़ देखी है। अभिनेत्री के अनुसार, कुछ तस्वीरों में शरीर के अंगों का आकार बदल दिया जाता है, जबकि कुछ में कपड़ों को हटाकर, अश्लील रूप देने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि कई बार तस्वीर इतनी बदल दी जाती है कि उन्हें खुद भी समझने में कठिनाई होती है कि उसमें दिखाई देने वाली महिला वास्तव में वही हैं या नहीं।



श्रेया ने स्वीकार किया कि ऐसी सामग्री सामने आने पर कई बार उसे नजरअंदाज करना पड़ता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य है। उन्होंने इसे परेशान करने वाला बताया और कहा कि एआई का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए। उनके अनुसार, तकनीक के अनेक सकारात्मक पहलू हैं और इसका उपयोग लोगों की मदद करने तथा रचनात्मक कामों को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, गलत इस्तेमाल से नुकसान भी हो सकता है। यह मुद्दा अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के गाने 'चुट्टमल्ले' के एआई से बदले गए वीडियो को लेकर हुए विवाद के बाद फिर चर्चा में आया। यह गीत फिल्म 'देवराः पार्ट 1' का है, जिसमें जाह्नवी कपूर के साथ जूनियर एनटीआर दिखाई दिए थे। रिपोर्टों के अनुसार, वायरल किए गए बदले हुए वीडियो में अभिनेत्री की छवि को आपत्तिजनक तरीके से प्रस्तुत किया गया था। जाह्नवी ने 4 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर इस घटना की निंदा की थी। जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और खुशबू सुंदर समेत कई कलाकारों ने भी उनका समर्थन किया था।

अभिनेता नहीं स्क्रिप्ट देख करती हूं फिल्में- सैयामी खेर

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में अपने फिल्मी सफर के 10 साल पूरे होने पर एक्ट्रेस सैयामी खेर ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही दो बड़ी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए थे, क्योंकि उनके लिए अभिनेता या निर्देशक से ज्यादा स्क्रिप्ट मायने रखती है। सैयामी खेर ने बताया कि मिर्जया की रिलीज से पहले ही उन्हें ये बड़ी फिल्में ऑफर हुई थीं, लेकिन उन्होंने दोनों ही प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि उस वक्त वह इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थीं, और इसके बावजूद उन्हें वो रोल्स ठुकराने में कोई मुश्किल नहीं हुई। उनका कहना था कि उन्हें फिल्म के बारे में सिर्फ इतना बताया गया था कि हीरो के साथ 2 सीन करने हैं, उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट तक ऑफर नहीं की गई थी, जिसकी वजह से उन्हें ये ऑफर रिजेक्ट करने में कोई खास मुश्किल नहीं हुई। यह फैसला उनके सिद्धांत को दर्शाता है कि वह बड़े बजट की फिल्मों में छोटे हिस्से करने के बजाय छोटी फिल्म में बड़ा और अहम किरदार करना पसंद करती हैं, जहां स्क्रीन टाइम से ज्यादा किरदार की गहराई मायने रखती है। सैयामी खेर का फिल्म इंडस्ट्री से पुराना नाता रहा है; उनकी दादी उषा किरण मराठी इंडस्ट्री की दिग्गज एक्ट्रेस थीं और वह दिग्गज एक्ट्रेस तन्वी आजमी की रिश्तेदार हैं।



हालांकि, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाना उनके लिए भी आसान नहीं रहा। सैयामी ने बताया कि करियर में आगे बढ़ने के लिए लोग उन्हें किसी अभिनेता या निर्देशक को डेट करने की सलाह देते थे, और यहां तक कि उन्हें लिप जॉब कराने की सलाह भी दी जाती थी। इन चुनौतियों के बावजूद, सैयामी अपने दृढ़ संकल्प पर अडिग रहीं और उन्होंने अपनी प्रतिभा और पसंद के साथ कोई समझौता नहीं किया। एक्ट्रेस ने मेल को-स्टार्स की असुरक्षा पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि कुछ बड़े सितारे अपने सामने मौजूद एक्ट्रेस को रिएक्शन देने का भी पर्याप्त समय नहीं देते हैं, जिससे अभिनय पर असर पड़ता है।





रश्मिका मंदाना की मैसा में दिखेगा बाप-बेटी का अनोखा रिश्ता

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म मैसा को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। इस फिल्म में रश्मिका एक बिल्कुल नए और दमदार अवतार में नजर आएंगी, जो उनकी पिछली भूमिकाओं से काफी अलग है। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित है और सिर्फ जबरदस्त एक्शन ही नहीं, बल्कि एक पिता और बेटी के गहरे भावनात्मक रिश्ते को भी पर्दे पर पेश करेगी। फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म के पहले गाने ओ मैसा रे की घोषणा के साथ ही इसका एक आकर्षक पोस्टर भी जारी किया गया है। पोस्टर में आग की लपटों के बीच एक प्रभावशाली सिल्हूट दिखाई दे रहा है, जो गाने के जोशीले अंदाज और फिल्म के एक्शन से भरपूर माहौल की स्पष्ट झलक देता है। इस गाने को मशहूर संगीतकार जैक्स बिजॉय ने कंपोज किया है। मेकर्स को उम्मीद है कि इसका संगीत फिल्म की कहानी और उसके देसी, प्रामाणिक अंदाज को एक अलग पहचान देगा, जिससे दर्शक भावनात्मक रूप से जुड़ पाएंगे।

मैसा की कहानी भारतीय सिनेमा में एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश करती है। जहां बाहुबली और केजीएफ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में मां-बेटे के रिश्ते को कहानी का एक अहम हिस्सा बनाया गया है, वहीं मैसा में पिता और बेटी के बीच के असाधारण जुड़ाव को केंद्र में रखा गया है।

नुसरत की आवाज में था आरडी बर्मन के निधन का दर्द: शेखर कपूर

मुम्बई (यशभारत)। हाल ही में अपनी चर्चित फिल्म बैंडिट क्वीन से जुड़ी एक अविस्मरणीय याद फिल्ममेकर शेखर कपूर ने साझा की है। इसमें शेखर कपूर ने मशहूर पाकिस्तानी गायक नुसरत फतेह अली खान की अद्वितीय कला और उनकी गहरी संवेदनशीलता का जिक्र है। फिल्ममेकर ने बताया कि फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग के दौरान, नुसरत फतेह अली खान की आवाज में सिर्फ सुर नहीं, बल्कि दर्द और आंसू भी थे। इस भावनात्मक उथल-पुथल की वजह उस समय संगीतकार आरडी बर्मन का निधन था, जिनसे नुसरत बहुत प्रभावित थे और उनके संगीत के बड़े प्रशंसक थे। आरडी बर्मन के आकस्मिक निधन से नुसरत फतेह अली खान बहुत दुखी थे, और यह दुख उनकी गायकी में स्पष्ट रूप से झलक रहा था। शेखर कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस पुराने और भावुक किस्से को साझा करते हुए बताया, बैंडिट क्वीन के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग चल रही थी। इसी दौरान नुसरत फतेह अली खान ने मुझसे



एक ऐसी बात कही, जो मेरे लिए अब तक की सबसे अजीब रिक्वेस्ट थी। शेखर ने बताया कि नुसरत ने उनसे कहा, 'शेखर जी, आप अपनी फिल्म देखिए और मैं आपकी आंखों में देखकर गाऊंगा।' यह अनुरोध शेखर के लिए अप्रत्याशित था। उन्होंने आगे बताया, दरअसल, जिस सीन के लिए रिकॉर्डिंग हो रही थी, वह फिल्म में बेहमई नरसंहार के बाद का हिस्सा था। इस सीन में कतार में बनी चिताएं दिखाई गई थीं और नदी किनारे महिलाओं के रोने और विलाप करने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। यह एक बहुत ही हृदय विदारक और गंभीर दृश्य था, जिसकी संवेदनशीलता को संगीत के माध्यम से व्यक्त करना आवश्यक था। शेखर ने आगे बताया, जब रिकॉर्डिंग शुरू हुई तो मैंने देखा कि नुसरत मेरी आंखों में देख रहे थे। वह सिर्फ देख नहीं रहे थे, बल्कि मेरी आंखों में जैसे कुछ तलाश रहे थे। उस पल मुझे महसूस हुआ कि नुसरत जानते थे कि मैं भी आर. डी. बर्मन के काफी करीब था। शेखर ने याद किया कि आर. डी. बर्मन ने उनकी पहली फिल्म मासूम का संगीत तैयार किया था, जिससे उनके और आरडी बर्मन के बीच भी एक गहरा रिश्ता था।



खाद लेने निकला किसान, ढाबे के पास थमी सांसें

दमोह में रहस्यमयी मौत से सनसनी

दमोह । जिले के पथरिया थाना क्षेत्र के केंद्रहु गांव निवासी 45 वर्षीय धनीराम पटेल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि वह खाद लेने पथरिया आए थे। रजवास तिराहे पर एक ढाबे के पास बेहोश मिलने के बाद परिजन उन्हें पथरिया स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि खाद लेने पथरिया लाए थे। रजवास तिराहे पर एक ढाबे के पास बेहोश मिले। सूचना मिलने पर श्यामलाल मौके पर पहुंचे। उनके मुताबिक, चाचा नशे में थे और सांस ले रहे थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।परिजनों ने ज्यादा शराब पीने की बात कही है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

भूसे की आड़ में 'मौत का सामान' : पुलिस ने पकड़ा अवैध विस्फोटक का जखीरा

डेटोनेटर और फ्यूज वायर बरामद

सागर, यशभारत । बहेरिया पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध विस्फोटक सामग्री के एक बड़े जखीरे को जब्त किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दुलीचंद पटेल के ठिकाने पर दबिश देकर भूसे के अंदर छिपाकर रखी गई करीब 30 से 35 पेटियां विस्फोटक सामग्री बरामद की।



तलाशी के दौरान मौके से विभिन्न कंपनियों के इमल्शन एक्सप्लोसिव, ब्लास्टिंग में उपयोग की जाने वाली छड़ें (रॉड), बड़ी संख्या में डेटोनेटर और सेफ्टी फ्यूज वायर जब्त किए गए हैं। कार्रवाई की संवेदनशीलता और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने तत्काल बीडीएस (बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड) टीम को मौके पर बुलाया, जिसने पूरी सामग्री को अपने नियंत्रण में लेकर सुरक्षित किया।

खनन और ब्लास्टिंग में इस्तेमाल होना था बारूद प्राथमिक जांच में सामने आया है कि इस विस्फोटक सामग्री का मुख्य रूप से इस्तेमाल वैध-अवैध खनन गतिविधियों और पहाड़ों में ब्लास्टिंग के लिए किया जाना था। आरोपी द्वारा बिना किसी वैध लाइसेंस या प्रशासनिक अनुमति के इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक का भंडारण किया गया था, जिससे बड़ा हादसा भी हो सकता था।

एक्सपर्ट्स की रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। जब्त सामग्री को जांच के लिए विस्फोटक एवं बैलिस्टिक एक्सपर्ट्स के पास भेजा गया है। एक्सपर्ट्स की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में आगे की कानूनी स्थिति और कड़ी कार्रवाई तय की जाएगी।



विधायक के प्रयास से बहाल हुई सफाई व्यवस्था : हड़ताल समाप्त

खुरई। विगत दो दिनों से सफाई मजदूर संघ की जारी हड़ताल के कारण प्रभावित हुई नगर की स्वच्छता व्यवस्था शनिवार को स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पार्षदगणों, एल्डरमैन, महिला समाजसेवियों एवं युवा समाजसेवियों के सामूहिक समन्वय और प्रयासों से पुनः सुचारु हो गई। सभी के सकारात्मक प्रयासों और आपसी सहयोग से हड़ताल समाप्त हुई तथा नगर में सफाई कार्यों ने एक बार फिर गति पकड़ ली।

शनिवार सुबह नगर पालिका परिषद परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पार्षदगणों, गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति में नगर की सफाई व्यवस्था को पुनः सुचारु बनाने की दिशा में सामूहिक पहल की गई। इसके बाद डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन अपने निर्धारित रूट पर निकले और नगर के मुख्य बाजारों, प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थलों एवं विभिन्न वार्डों में नियमित साफ-सफाई का कार्य प्रारंभ हुआ। इससे नगरवासियों को हड़ताल के कारण उत्पन्न हुई असुविधा से राहत मिली।

धनतेरस पर 250 से ज्यादा लोगों को मिले खोए मोबाइल

मंत्री संपतिया उइके ने सौंपे फोन; पांच महीने में पुलिस ने पोर्टल से खोजे

मंडला, यशभारत। मंडला पुलिस ने पिछले करीब पांच महीनों में गुम और चोरी हुए 250 से अधिक मोबाइल खोजकर उनके मालिकों को लौटाए। धनतेरस पर आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने लोगों को उनके मोबाइल सौंपे। फोन वापस मिलने पर लोगों ने खुशी जताई। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में जिले के सभी थानों में साइबर डेस्क बनाई गई हैं। यहां प्रशिक्षित पुलिसकर्मी ष्टश्वढ्ढक्र और ह्लष्टक्रक्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर मोबाइल तलाशने का काम कर रहे हैं। मोबाइल रिकवरी टीम और साइबर डेस्क ने दूसरे जिलों की पुलिस के साथ समन्वय कर भी फोन खोजे। मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि गुम या चोरी हुए मोबाइल उनके मालिकों को लौटाना पुलिस की उपलब्धि है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक और उनकी टीम को बधाई दी। मंत्री ने कहा कि साइबर तकनीक और पुलिसकर्मियों के प्रयासों से अपराधियों तक पहुंचना आसान हुआ है। उन्होंने बताया कि हाल ही में गोवा में हुए एक कार्यक्रम में मोबाइल रिकवरी के काम के लिए मंडला जिले को सम्मानित किया गया था। मंत्री ने पुलिस की मदद करने वाले ग्रामीणों की सराहना की। कार्यक्रम में पुलिस का सहयोग कर अच्छे काम करने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया।



ट्रक बन गया आग का गोला : टायर में लगी आग,चालक ने खेत में उतारा ट्रक

फायर ब्रिगेड पहुंचा मौके पर

यशभारत डिंडोरी ।डिंडोरी के जोगी टिकरिया में उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया जब गैस टंकी से भरे चलते ट्रक के टायर से धुआं निकलने लगा। धुआं देख ट्रक चालक ने पहले मुख्य मार्ग पर ही ट्रक रोककर टायर में पानी डाला लेकिन धुआं तब भी निकलता रहा। इसके बाद ट्रक चालक ने जोगी टिकरिया की घनी बस्ती से ट्रक को एक सूनसान खेत में लेकर छोड़ दिया। वही ग्रामीणों ने इसकी सूचना शाहपुर पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। जानकारी के अनुसार एच पी गैस कंपनी का ट्रक जो भरी टंकियों को लेकर जबलपुर से डिंडोरी जिला के गाड़ासरई जाने को निकला था,लेकिन शाहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जोगी टिकरिया में ट्रक के टायर से धुआं निकलने लगा। ट्रक चालक महेंद्र धुर्वे ने बताया कि मनेरी प्लांट से भरी गैस टंकी लेकर गाड़ासरई के लिए निकला था,लेकिन ट्रक से धुआं निकलने लगा,आग लगने की आशंका के चलते महेंद्र ने तत्काल टायर में पानी डाला और ग्रामीणों के कहने पर ट्रक सूने खेत में खड़ा कर दिया ताकि आग लगने पर कोई जनहानि न हो। जिसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर शाहपुर पुलिस,फायर ब्रिगेड पहुंची । ट्रक और टायर में पानी डालकर हालात को काबू में किया।



















स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं 435 राजीव वार्ड सुभाष पार्क चौराहा कंदेली नरसिंहपुर से प्रकाशित स्थानीय संपादक विक्रांत पटेल * संपादक अम्बरीष तिवारी * एवं सलाहकार संपादक श्याम कटारे (फोन- 07792-231060) डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार RNI No.MPHIN / 2015/64553 E-mail- narsinghpur@yashbharat.co.in (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)